यूहन्ना रचित सुसमाचार

मसीह क आउब

1 जब दुनिया क सुरुआत भइ, तब ओह समइ बचन*
पहिलेन स रहा। उहइ बचन परमेस्सर क साथ रहा।
उहइ बचन परमेस्सर रहा। 2उहइ बचन एकदम सुरुआत मँ
परमेस्सर क साथ रहा। 3समूची दुनिया क सब चीज उहइ स
पइदा भइ। ओकरे बिना कउनो चीज बनाईं नाहीं गइ। 4उहइ
बचन मँ जिन्नगी रही अउर उहइ जिन्नगी पूरी दुनिया क
सब मनई क बरे ज्योति (गियान, भलाई) क नाईं रहा।
5ज्योति अँधियारे मँ चमकत ह अउर अँधियारा ओका जीत
न पावा।

6परमेस्सर क पठवा एक मनई आवा जेकर नाउँ यूहन्ना
रहा। 7उ एक साच्छी क नाईं आवा जइसे कि उ सब मनई
क ज्योति क बारे मँ अपने बचन मँ बताइ सकइ। अउर
जउन उ बतावइ ओहमाँ सब मनई बिसवास कर सकइँ। 8उ
खुदइ ज्योति नाहीं रहा मुला उ सब मनई क ज्योति क
साच्छी देइ आइ रहा। 9उ इ बतावइ आइ रहा कि इ ज्योति
बिल्कुल सच्ची अहइ, अउर उ इ हर एक मनई क
प्रकासित करी। उ इ बतावइ आइ रहा कि सच्चा ज्योति इ
दुनिया मँ आवइवाला अहइ।

10उ तउ इहइ दुनिया मँ रहा अउर इ दुनिया क उहइ
पइदा किहेस मुला दुनिया ओका पहिचान नाहीं पाएस। 11उ
अपने संसार मँ आवा रहा, मुला ओकर आपन मनई ओका
नाहीं अपनाएन। 12मुला जउन मनई ओका अपनाइ लिहेन्ह,
ओनका सबका उ परमेस्सर क संतान होइ क अधिकार
दिहेस। 13परमेस्सर क औलाद क नाईं उ कुदरती तौर प न
तउ लहू स पइदा भवा, न तउ कउनो तने क इच्छा स,
अउर न तउ महतारी-बाप क योजना स। मुला उ परमेस्सर
स पइदा भवा। 14उहइ बचन देह अपनाइ क हमरे सबके
बीच मँ रहइ लाग। हम सब परमपिता क एकइ पूत क नाईं
ओकरी महिमा क दर्सन कीन्ह। उ बचन अनुग्रह अउर
सच्चाई स भरा रहा। 15यूहन्ना ओकर साच्छी दिहेस अउर
सबका सुनाइ क जोर स कहेस, "इ उहइ अहइ जेकरे बारे
मँ मइँ बताए रहेउँ, 'उ जउन मोरे बाद आवइवाला अहइ, उ
मोसे महान अहइ, मोसे आगे अहइ, एह बरे कि उ मोहूँ स
पहले मौजूद रहा।'"

16ओकरी करूणा अउर सच्चाई क पूर्णता स हमका
सबेन्क तमाम अनुग्रह पर अनुग्रह मिला। 17हमका सबेन्क
जउन व्यवस्था मिली अहइ, उ तउ मूसा क दीन्ह अहइ,
मुला जउन अनुग्रह अउर सच्चाई इ दुनिया मँ अहइ, उ ईसू
मसीह क दीन्ह अहइ। 18परमेस्सर क कबहूँ कउनो आज
तलक नाहीं देखे अहइ, मुला परमेस्सर क जउन एकइ पूत
अहइ, अउर जउन हमेसा परमपिता क संग रहत ह, ओका
हमरे सबके सामने परगट किहेस।

यूहन्ना क ईसू क बारे मँ साच्छी

(मत्ती 3:1-12; मरकुस 1:2-8; लूका 3:15-17)

19जब यरुसलेम क यहूदियन याजकन अउर लेवियन क
यूहन्ना क पास इ पूछइ क बरे भेजेन्ह, "तू कउन अह्या?"
20तउ उ इ साच्छी दिहेस अउर बिना कउनो हिचकिचाहट
क इ मानेस, "मइँ मसीह* न अहउँ।"
21तउ उ पचे यूहन्ना स पूछेन्ह, "तउ तू फिन कउन
अह्या, का तू एलिय्याह अह्या?"
यूहन्ना इ जवाब दिहेस, "नाहीं, मइँ उहइ न अहउँ।"
यहूदियन पूछेस, "तउ तू का कउनो नबी अह्या?" उ
फिन इन्कार कइ दिहेस, "नाहीं।"
22फिन उ पचे ओसे पूछेन्ह, "तउ तू का अह्या? हमका
बतावा जइसे कि हम ओनका जवाब दइ देई, जे हमका
पचेन्क हियाँ भेजेस ह! तू अपने बारे मँ का कहत अहा?"
23यूहन्ना कहेस:
'मइँ आवाज अहउँ जउन रेगिस्तान मँ पुकारत अहइ:
'पर्भू क बरे सोझ सोझ रास्ता बनावा।'"

यसायाह 40:3

24इन सबन क फरीसियन भेजे रहेन्ह। 25उ लोग ओसे
पूछेन, "जदि तू न तउ मसीह अह्या, न एलिय्याह अह्या,
अउर न तउ नबी अह्या, फिन काहे बरे तू सब लोगन क
बपतिस्मा देत अहा?"
26यूहन्ना ओन पचेन्क जवाब दिहेस, "मइँ ओन सबेन्ह
का पानी स बपतिस्मा देत अहउँ। तोहरे सबन क बीच मँ
एक ठु मनई अहइ, ओका तू पचे नाहीं जानत अहा। 27उ
मोरे बाद आवइवाला उहइ अहइ। मइँ तउ ओकरे पनहीं क
फीता खोलइ लायक नाहीं अहउँ।"
28इ सब घटना यरदन क पार बैतनिय्याह मँ घटिन ह
जहाँ प यूहन्ना बपतिस्मा देत रहा। 29ओकरे दूसरे दिन
यूहन्ना ईसू क अपने लगे आवत देखेस तउ कहेस,
"परमेस्सर क मेमना क देखा जउन दुनिया क सब पाप हर
लेत ह। 30इ उहइ अहइ जेकरे बावत मइँ बताए रहेउँ, 'एक
मनई मोरे बाद आवइवाला अहइ, जउन मोसे भी महान
अहइ, उ मोसे भी आगे अहइ, उ मोसे पहले स मौजूद

बचन मूल मँ यूनानी भाखा बचन बाटइ। "लोगोस" जेकर अरथ अहइ संदेस। एकर अनुवाद "सुसमाचार" भी कीन्ह जाइ सकत ह। हिआँ एकर अरथ अहइ ईसू। ईसू एक ठु रास्ता बाटइ जेकरे जरिए खुद परमेस्सर आपन बारे मँ मनइयन क बताएस ह।

मसीह "अभिसेक कीन्ह गवा" (मसीह) या परमेस्सर स चुना भवा।

रहा।' 31पहले मइँ खुद ओका नाहीं जानत रहेउँ, मुला मइँ इही बरे बपतिस्मा देत चला आवत अहउँ, जइसे कि इस्राएल क सब मनई ओका जान लेइँ।"

32-33फिन यूहन्ना आपन इ साच्छी दिहेस, "मइँ देखेउँ कि कबूतरे की नाईं सरग स नीचे उतरत आतिमा उहइ प आइके टिक गइ। मइँ खुदइ नाहीं जान पाएउँ, कि उ कौन रहा मुला जउन मोका पानी स बपतिस्मा देइ क बरे पठए रहा, उ मोसे कहेस, 'तू आतिमा क उतरत अउर कउनो क ऊपर ठहरत देखब्या, इ उहइ मनई अहइ जउन पवित्तर आतिमा स बपतिस्मा देत ह।' 34मइँ ओका देखे अहउँ अउर मइँ साच्छी देत अहउँ कि उहइ परमेस्सर क पूत अहइ।"

ईसू क पहला चेलन

35दूसरे दिन यूहन्ना अपने दुइ चेलन क साथ फिन उहइ जगह प मौजूद रहा। 36जब ईसू क उ अपने पास देखेस तउ कहेस, "देखा! इ इहइ परमेस्सर क मेमना!"

37जब उ दुइनउँ चेलन ओनका इ कहत सुनेन तउ उ दुइनउँ ईसू क पाछे चल पड़ेन्ह। 38ईसू ओन पचे क जबहिं अपने पाछे आवत देखेस तउ ओसे पूछेस, "तोहका का चाही?"

उ पचे जवाब दिहेन, "रब्बी, तू कउन जगह प रहत ह?" ("रब्बी" अर्थात "गुरु")

39ईसू ओनका जवाब दिहेस, "आवा अउर देखा।" ओकरे बाद उ दुइनउँ चेलन ओनके पाछे चल दिहेन। उ पचे फिन ओकर रहइ क जगह देखेन। ओह दिन उ दुइनउँ चेलन ओनके साथ ठहरेन्ह, काहेकि साँझ क करीब चार बज चुका रहा।

40जउन दुइनउँ चेलन यूहन्ना क बात सुने रहेन्ह अउर ईसू क पाछे चला गएन, ओनमाँ स एक समौन पतरस क भाई अन्द्रियास रहा। 41उ पहले अपने भाई समौन क देखके ओसे कहेस, "हमका मसीह मिल गवा अहइ।"

42फिन अन्द्रियास समौन पतरस क ईसू क लगे लियाइ गवा। ओनका देखके ईसू कहेस, "तू यूहन्ना क बेटवा समौन अह्या। तोहका लोग कैफा (अर्थात् पतरस) कहिहइँ।"

43दूसरे दिन ईसू गलील जाइके बरे ठान लिहेस। फिन फिलिप्पुस क देखके ईसू ओसे कहेस, "मोरे पाछे चला आवा।" 44फिलिप्पुस अन्द्रियास अउर पतरस क नगर बैतसैदा क रहइवाला रहा। 45फिलिप्पुस क नतनएल मिला अउर उ ओसे कहेस, "हम पचन्क उ मिल गवा अहइ जेकरे बारे मँ व्यवस्था मँ मूसा अउर तमाम नबियन लिखे अहइँ। उहइ यूसुफ क बेटवा, नासरत क ईसू अहइ।"

46फिन नतनएल ओसे पूछेस, "का नासरतउ स कउनो अच्छी चीज पैदा होइ सकत ह?"

फिलिप्पुस जवाब दिहेस, "जाइके खुदइ देखि ल्या।"

47ईसू नतनएल क अपनी कइँती आवत देखेस अउर ओकरे बारे मँ कहेस, "इ एक सच्चा इस्राएली अहइ जेहमाँ कउनो खोट नाहीं बा।"

48नतनएल पूछेस, "तू मोका कइसे जानत अहा?"

ईसू जवाब दिहेस, "फिलिप्पुस क बोलावइ क पहिले मइँ तोहका अंजीर क पेड़ क नीचे खड़ा देखे रहेउँ।"

49नतनएल जवाब दिहेस, "रब्बी (गुरु) तू परमेस्सर क पूत अह्या, तू इस्राएल क राजा अह्या।"

50एकरे जवाब मँ ईसू कहेस, "तू इ बरे बिसवास करत अहा, काहेकि मइँ कहत अहउँ कि तोहका अंजीर क पेड़ क खाले देखे रहेउँ। तू अगवा (बाद मँ) अउर बड़ी बड़ी बातन देखब्या।" 51उ ओसे (नतनएल स) फिन कहेस, "मइँ तोहका सही सही बतावत अहउँ कि तू सरग क खुलत अउर परमेस्सर क दूतन क मनई क पूत प उतरत चढ़त* देखब्या।"

काना मँ बियाह

2 गलील क काना मँ तीसरे दिन कउनो क घरे मँ बियाह
रहा। ईसू क महतारी हुवाँ मौजूद रही। 2बियाहे मँ ईसू
क अउर ओनके चेलन क बोलउवा आइ रहा। 3हुवाँ जब
दाखरस खतम होइ गवा तउ ईसू क महतारी कहेस,
"ओनके पास अब दाखरस नाहीं अहइ, सब खतम होइ ग।"
4ईसू ओसे कहेस, "इ तू मोसे काहे बतावत अहा?
अबहीं मोर समइ नाहीं आवा अहइ।"
5फिन ओकर महतारी नउकरन स कहेस, "तू पचे उहइ
करा जउन इ तोहसे करइ बरे कहइ।"
6हुवाँ पानी भरइ बरे पाथर क छ: मटका धरा रहेन। इ
मटकन क यहूदियन पवित्तर स्नान क बरे इस्तेमाल करत
रहेन। हर मटका मँ लगभग बीस स तीस गैलन पानी
आवत रहा।
7ईसू नउकरन स कहेस, "मटकन क पानी स भर द्या।"
नउकरन मटकन क लबालब भरि दिहेन।
8फिन उ ओनसे कहेस, "अब थोड़ा पानी बाहेर निकाला,
अउर दावत क इन्तजाम करइवाला मुखिया क पास लइ
जा।"
अउर उ पचे थोर क पानी मुखिया क पास लइ गएन।
9फिन दावत क इन्तजाम करइवाला मुखिया उ पानी क
थोरा स चखेस तउ उ पाएस कि इ पानी तउ दाखरस बनि
गवा रहा। उ जानि नाहीं पाएस कि दाखरस कहाँ स आइ
गवा। मुला ओन नउकरन क तउ पता रहा, जउन पानी
निकारे रहेन। 10फिन दावत क मुखिया दुल्हा क बोलाएस
अउर ओसे कहेस, "सब मनई पहिले अच्छी अच्छी दाखरस
परोसत हीं अउर जब मेहमानन क मन भरि जात ह तउ
घटिया दाखरस देइ लागत हीं। मुला तउ सबसे बढ़िया वाली
दाखरस अबहीं तक बचाए रखे अहा।"
11ईसू गलील क काना मँ आपन पहिला अद्‌भुत कारज
कइके आपन महिमा परगट किहेस। जेहसे ओकर चेलन
ओहमाँ बिसवास करेन्ह। 12ओकरे पाछे फिन ईसू आपन
महतारी, भाइयन अउर चेलन क साथे कफरनहूम चला
गवा, जहाँ प उ पचे कछू दिन ठहरेन्ह।

ईसू मंदिर मँ

(मत्ती 21:12-13; मरकुस 11:15-17; लूका 19:45-46)

13यहूदियन क फसह क त्यौहार निचके रहा। इ करण
ईसू यरूसलेम चला गवा। 14हुवाँ मंदिर मँ ईसू देखेस कि

परमेस्सर … चढ़त उत्पत्ति 28:12

तमाम मनई मवेसियन, भेड़न अउर कबूतरन क बेचत रहेन
अउर सिक्का बदलइवाले बयपारी अपनी गद्दी प बइठा
रहेन। **15**इ बरे उ रस्सी क एक ठु कोड़ा बनाएस अउर
ओन सबका मवेसियन अउर भेड़न समेत बाहर खदेर दिहेस।
सिक्का बदलइवाले बयपारियन क सिक्का बिखराइ दिहेस
अउर ओनके चौकियन क बिखराइ दिहेस। **16**कबूतरन क
बेचइवालेन स कहेस, "एनका सबका हियाँ स बाहेर लइ
जा! मोरे परमपिता क घर क बजार जिन बनावा!"

17इ सब देखिके ओकरे चेलन क याद आइ गवा कि
पवित्तर सास्तर मँ लिखा अहइ:

"तोहरे घर क बरे मोर लगन मोका खाइ जाई।"

भजन संहिता 69:9

18एकरे जवाब मँ यहूदियन ईसू स कहेन, "तू हमका
सबेन्ह क कउन अद्भुत चीन्ह क तौर पइ देखाइ सकत
ह्या, जइसे इ साबित होइ जाइ कि जउन तू करत अहा,
ओकर तू अधिकारी अहा?"

19ईसू ओनका जवाब दिहेस, "इ मंदिर क तू पचे गिराइ
द्या अउर मइँ एका तीन दिन क अन्दर फिन बनाइ देब।"

20इ सुनिके यहूदियन बोलेन, "इ मंदिर क बनावइ मँ
छियालिस बरिस लगा रहेन, अउर तू कहत अहा कि ऍका
मइँ तीन दिन मँ बनाइ देब?"

21(मुला ईसू जउने मंदिर क बात करत रहा, उ ओकर
आपन देह रही। **22**बाद मँ जब मउत क बाद ईसू फिन जी
उठा तउ ओकरे चेलन क याद आवा कि ईसू ऍका कहे
रहा, अब तउ उ पचे पवित्तर सास्तर प अउर ईसू क बात
पर बिसवास करइ लागेन।)

23फसह क त्यौहार क दिनन जब ईसू यरूसलेम मँ रहा,
तउ तमाम मनई ओकर अद्भुत कारजन अउर चीन्हन
देखिके ओहमाँ बिसवास करइ लागेन। **24**मुला ईसू अपने
आपका ओनके सहारे नाहीं छोड़ेस, काहे स कि उ सबका
बखूबी जानत रहा। **25**ओका इ बात क कउनो जरूरत नाहीं
रही कि केहू आइके ओका लोगन क बारे मँ बतावइ, ऍह
बरे कि उ अच्छी तरह जानत रहा कि लोगन क मन मँ का
अहइ।

ईसू अउर नीकुदेमुस

3 हुआँ फरीसियन क एक ठु मनई रहा, जेकर नाउँ रहा
नीकुदेमुस। उ यहूदियन क नेता रहा। **2**उ ईसू क लगे
रात मँ आवा अउर ओसे बोला, "गुरु, हम जानत अही कि
तू गुरु अह्या अउर परमेस्सर तोहका भेजेस, इहइ कारण
अहइ कि तू अइसे अइसे अद्भुत कारजन करत अहा। इ
सब कारज परमेस्सर क सहायता क बिना कउनो नाहीं करि
सकत।"

3एकरे जवाब मँ ईसू ओहसे कहेस, "मइँ तोहका एकदम
सच सच बतावत अहउँ कि अगर कउनो मनई एकदम स
नवा जनम न लेइ तउ उ परमेस्सर क राज्य नाहीं देख
सकत।"

4नीकुदेमुस ओसे कहेस, "कउनो मनई बुढ़वा होइ क
बाद फिन जनम कइसे लइ सकत ह? कउनो अपनी महतारी
क कोख मँ फिन घुसि क जनम कइसे लइ सकत ह!"

5ईसू जवाब दिहेस, "मइँ तोहका सच बतावत अहउँ।
अगर कउनो मनई पानी अउर आतिमा स जनम नाहीं लेत
तउ उ परमेस्सर क राज्य मँ घुसइ नाहीं पावत। **6**जउन सरीर
स पइदा होइ सकत ह, उहइ सरीर अहइ जउन आतिमा स
पइदा होत ह, उहइ आतिमा अहइ। **7**मइँ तोहसे जउन बताए
अहउँ, ओहमाँ कउनो अचरज करइ क जरुरत नाहीं अहइ,
'तोहका फिन स जनम लेइ क होई।' **8**हवा जउने तरफ
चाहत ह, उहइ तरफ बहत ह। तू ओकर आवाज तउ सुनि
सकत ह, मुला तू इ नाहीं जानि सकत ह कि उ कहाँ स
आवत अहइ अउर कहाँ जात अहइ। आतिमा स पइदा भवा
हर एक मनई इहइ तरह अहइ।"

9एकरे जवाब मँ नीकुदेमुस ओसे कहेस, "इ कइसे होइ
सकत ह?"

10ईसू ओका जवाब दिहेस, "तू तउ इस्राएलियन क गुरु
अह्या मुला तू इ बात नाहीं जानत रह्या? **11**सच्ची बात मइँ
बतावत अहउँ, हम पचे जउन जानत अही, उहइ बतावत
अही, जउन हम देखत अही मुला तू पचे हमरी बात मँ कम
बिसवास करत अहा। **12**मइँ तोहका धरती क बात बतावत
अहउँ, अउर तू ओका नाहीं मानत अहा, अबहीं जब मइँ
तोहका पचे क सरग क बात बतावउँ तउ तू ओका कइसे
मान लेब्या? **13**सरग मँ कबहुँ कउनो नाहीं गवा, केवल
ओका छोड़ कर, जउन सरग स उतरके आवा ह - उहइ
मनई क पूत।

14"जइसे मूसा रेगिस्तान मँ साँप क उठाइ लिहे रहा
वइसे मनई क पूत क ऊपर उठाइ लीन्ह जाई। **15**जइसे कि
ओहमाँ बिसवास करइवाले सब मनई अनन्त जीवन पाइ
सकइँ।"

16परमेस्सर इ दुनिया स इतना पिरेम करत रहा कि अपने
एकलौता पूत क दइ दिहेस, जइसे कि ओहमाँ बिसवास
करइवाला कउनो मनई क नास न होइ, ओका अनन्त जीवन
मिल जाइ। **17**परमेस्सर आपन पूत इ बरे नाहीं पठएस कि उ
दुनिया क अपराधी साबित करइ, उ तउ इ बरे भेजेस अइसे
कि समूची दुनिया क उद्धार होइ जाइ।

18जउन मनई परमेस्सर क पूत मँ बिसवास करत हीं,
ओनका दोसी न ठहरावा जाइ, मुला जे ओनके मँ बिसवास
नाहीं करतेन, ओका तउ दोसी ठहरावा जाइ चुका अहइ,
काहेकि उ परमेस्सर क एकलौता पूत मँ बिसवास नाहीं करत
ह।

19इ निरनय क आधार इ बाटइ कि ज्योति इ दुनिया मँ
आइ गइ अहइ, मुला कछू मनई अइसे अहइँ कि ज्योति क
न देखिके अँधियारे क जियादा महत्व देत अहइँ काहेकि
ओनके सब करम बुरा अहइँ। **20**पाप करइवाला मनई हमेसा
ज्योति स घिणा करत ह अउर ओकरे पास कबहूँ नाहीं
आवत, एह बरे कि ओकरे पाप क उजागिर होइ क डर
बना रहत ह। **21**मुला जउन मनई सच्चाई क रस्ता प चलत
ह उ परमेस्सर क द्वारा ज्योति क किरन क लगे अइहीं
जइसे इ उजागिर होइ जाइ कि ओके सब कारज परमेस्सर
करावत अहइ।

यूहन्ना ईसू क बपतिस्मा दिहेस

22ओकरे बाद ईसू अपने चेलन क साथ यहूदिया क
इलाका मँ चला गवा। हुवाँ ओनके साथ ठहरिके उ सब
लोगन्ह क बपतिस्मा देइ लाग। 23हुवाँ प सालेम क
नजदीक ऐनोन मँ यूहन्ना भी बपतिस्मा देत रहा, एह बरे कि
हुवाँ इफरात मँ पानी रहा। तमाम मनई हुवाँ आवत रहेन
अउर बपतिस्मा लेत रहेन। 24(अब तक यूहन्ना क बंदी नाहीं
बनावा ग रहा।)

25अब यूहन्ना क कछू चेलन अउर एक ठु यहूदी क
बीच स्वच्छताकरण क लइके बहस होइ लाग। 26एह बरे उ
सब यूहन्ना क लगे आएन अउर कहेन, "गुरु, जउन मनई
यरदन क ओहँ पार तोहरे साथ रहा अउर जेकरे बारे मँ तू
बताए रह्या, उ लोगन्ह क बपतिस्मा देत अहइ, अउर सब
मनई ओकरे पास जात अहइँ।"

27एकरे जवाब मँ यूहन्ना कहेस, "कउनो मनई क तब
तक कछू नाहीं मिल सकत जब तक कि ओका परमेस्सर स
न दीन्ह ग होइ। 28तू पचे इ बात क साच्छी अहा कि मइँ
कहे रहेउँ, 'मइँ मसीह न अहउँ मोका तउ ओकरे बरे रस्ता
बनाइ बरे पठवा गवा अहइ।'

29दूल्हा तउ उहइ बा, जेका दुलहिन मिलइ। मुला दूल्हा
क दोस्त जउन ओकरे अगुवाई मँ खड़ा रहत ह जब दूल्हा
क आवाज सुनत ह, तउ बहुत खुस होत ह। इहइ मोर खुसी
अहइ जउन अब पूरी भइ। 30अब इ जरुरी अहइ कि
ओकर महिमा बढ़इ अउर मोर कम होइ।

उ जउन सरग स उतरा

31"जउन ऊपर स आवत ह, उ सबसे महान अहइ। उ
जउन घरती स बाटइ, धरती स जुड़ा अहइ। एह बरे उ धरती
क चीजन क बारे माँ बात करत ह। जउन सरग स उतरा
ह, सबके ऊपर अहइँ, 32उ जउन कछू देखे अहइ, अउर
सुने अहइ, उ ओकर साच्छी देत ह अउर ओकर साच्छी क
कउनो मनई नाहीं चाहत। 33जउन ओकरी साच्छी क मानत
ह, उ प्रमाणित करत ह कि परमेस्सर सच्चा अहइ। 34काहे
बरे कि जेका परमेस्सर पठए अहइ, परमेस्सर क बातन
करत ह। काहेकि परमेस्सर ओका आतिमा क अनन्त दान
दिहे अहइ। 35परमपिता अपने पूत क स पिरेम करत ह
अउर ओकरे हाथे मँ उ सब कछू क अधिकार सौंपि दिहेस।
36एह बरे जउन ओकरे पूत मँ बिसवास करत ह, अनन्त
जीवन पइहइँ मुला जे परमेस्सर क पूत क बात नाहीं मानत
ओका इ जीवन नाहीं मिली। एकरे बजाय उ परमेस्सर क
कोप का भाजन बनी।"

ईसू अउर सामरी स्त्री

4 अउर जब ईसू क पता चला कि फरीसियन इ सुने
अहइँ कि ईसू यूहन्ना स जियादा लोगन क बपतिस्मा
देत अहइ अउर ओनका आपन चेलन बनावत अहइ।
2(वइसे ईसू खुदइ बपतिस्मा नाहीं देत रहा। बल्कि ओकर
चेलन इ कारज करत रहेन्ह।) 3उ यहूदिया छोड़िके एक बार
फिन गलील लौट ग रहा। 4इ दाईं ओका सामरिया होइके
जाइका पड़ा।

5एह बरे उ सामरिया क एक नगर सूखार मँ आवा। इ
नगर उहइ भुइँया क पास रहा। जउने क याकूब अपने
बेटवा यूसुफ क दिहे रहा। 6हुवाँ याकूब क कुआँ रहा। ईसू
इ यात्रा मँ एकदम थक ग रहा, एह बरे उ कुआँ क पास
बइठ गवा। उ समइ करीब करीब दुपहरिया रही। 7एक ठु
सामरी* स्त्री पानी भरइ क बास्ते आइ! ईसू ओसे कहेस,
"मोका पिअइ क पानी दइ द्या।)" 8(उ समइ सब चेलन
खाना बेसहइ क बरे सहर चला गवा रहेन।) 9सामरी स्त्री
ओसे कहेस, "तू यहूदी होइके मोसे पानी काहे मांगत अहा,
मइँ तउ सामरी स्त्री अहउँ?" (यहूदी तउ सामरियन स कउनो
मतलब नाहीं रखत रहेन।)

10ओकरे जवाब मँ ईसू ओसे कहेस, "जदि तू एँतना
जनतेउ कि परमेस्सर का दिहेस अउर उ कउन अहइ जउन
तोहसे कहत अहइ कि 'मोका पानी द्या' तउ तू ओसे खुदइ
मँगतिउ, अउर उ तोहका जीवन जल दइ देत।"

11उ स्त्री ओसे कहेस, "महासय, तोहरे लगे तउ कउनो
बासन तक नाहीं बाटइ अउर कुआँ बहुत गहिर अहइ फिन
तोहरे पास जीवन जल कइसे होइ सकत ह? 12जरूर तू हमरे
पूर्वज याकूब स बड़ा अहा जेक हमका कुआँ दिहेन अउर
अपने लड़िकन्ह अउर जानवरन्ह क साथ खुदइ एकर पानी
पिए रहेन्ह।"

13ईसू एकरे जवाब मँ कहेस, "जउन मनई इ कुआँ क
पानी पिअत ह, ओका फिन पियास लगी। 14मुला जउन
मनई उ पानी क पी लेई जउन पानी मइँ देब, ओका फिन
कबहूँ पियासन लगी। मोर दीन्ह पानी ओकरे दिल मँ एक
पानी क झरना क नाई बन जाई जउन घुमड़ घुमड़ क
ओका अनन्त जीवन देई।"

15तब उ स्त्री ओसे कहेस, "हे महासय, मोका उहइ पानी
दइ द्या जेहसे कि मइँ कबहूँ पियासी न रही अउर मोका
फिन पानी खँइचे क बरे न आवइ क पड़इ।"

16इ सुनके ईसू ओसे कहेस, "जा अपने पति क बोलावा
अउर हियाँ आवा।"

17एकरे जवाब मँ स्त्री कहेस, "मोर कउनो पति नाहीं
बाटइ।"

ईसू ओसे कहेस, "जब तू कहति अहा कि तोहार कउनो
पति नाहीं बाटइ, तउ तू ठीक कहति अहा 18तोहरे पाँच पति
रहेन अउर जउने पुरुस क साथ तू रहित अहा, उ तोहार
पति न अहइ, एह बरे जउन तू कहति अहा उ ठीक
अहइ।" 19इ सुनिके उ स्त्री ओसे कहेस, "महासय, मोका
तउ लागत अहइ कि तू कउनो नबी अहा। 20हमरे पूर्वजन
इ पर्वत प आराधना किए रहेन्ह मुला तू कहत अहा कि
यरूसलेम आराधना क स्थान अहइ।"

21ईसू ओसे कहेस, "हे स्त्री मोरी बात माँ बिसवास करा।
उ समइ आवइवाला अहइ जब तू परमपिता क आराधना न
तउ एहि पर्वत प करइ पउबू अउर न तउ यरूसलेम मँ।
22तू सामरी लोगन्ह ओका नाहीं जानत अहइँ जेकर आराधना

सामरी सामरिया स आए भएन। सामरी कछू यहूदी रहेन, मुला यहूदी ओनका सुद्ध यहूदी नाहीं मानत रहेन।

करति अहा। मुला हम यहूदी ओका जानित ह जेकर
आराधना करति अहा। सबन क उद्धार यहूदियन स मिली।
23मुला उहइ समइ आवत अहइ, 'अउर आइ ग' बाटइ जब
सच्चे आराधना परमपिता क आराधना, आतिमा अउर
सच्चाई मँ करिहीं। परमपिता अइसे आराधक चाहत ह।
24परमपिता आतिमा अहइ अउर एह बरे जउन ओकर
आराधना करी ओका आतिमा अउर सच्चाइन मँ आराधना
करइ क पड़ी।"
25फिन स्त्री ओसे कहेस, "मइँ जानत अहउँ कि मसीह
(यानी ख्रीष्ट) आवइवाला अहइ। जब उ आई तउ हम पचन
क सब कछू बताई।"
26ईसू ओसे कहेस, "मइँ जउन तोहसे बतियात अहउँ मइँ
उहइ अहउँ।"
27उहइ समइ ओकर चेलन लौट आएन। अउर ओनका
इ देखिके बहुत अचरज भवा कि उ एक ठु स्त्री स बात
करत अहइ। मुला कउनो ओह इ नाहीं कहेस, "तोहका इ
स्त्री स का मतलब अहइ, अउर या "ई स्त्री स तू काहे बरे
बतियात अहा।"
28उ स्त्री आपन पानी भरइवाली गगरी छोड़िके सहर
चली गइ अउर मनइयन स कहेस, 29"आवा जा अउर
देखा, एक ठु अइसा मनई अहइ, जउन मोर कीन्ह सच
मोका बताइ दिहेस। का तू इ नाहीं सोचत अहा कि उ
मसीह अहइ?" 30इ सुनिके सब लोगन्ह सहर छोड़िके ईसू
क लगे जाइ पहुँचेन।
31उहइ समइ ईसू क चेलन ओसे बिनती करत रहेन्ह,
"गुरु कछू खाइ ल्या!"
32मुला ईसू ओनसे कहेस, "मोरे पास खाइ बरे, अइसा
खाना अहइ जेकरे बारे मँ तू पचे कछू नाहीं जानत अहा।"
33इ सुनिके सब चेलन आपस मँ एक दूसरे स पूछइ
लागेन, "का ओकरे बरे कउनो खाइ बरे कछू लिआवा
होई?"
34ईसू ओनसे कहेस, "मोर खाना ओकर (परमेस्सर)
इच्छा क पूरी करब अहइ जउन मोका पठएस ह। जउन
कारज मोका सौंपा गवा बाटइ, ओका मोका पूरा करइ क
अहइ, 35तू पचे अक्सर कहत ह, 'चार महीना बाकी बा
तब जाइके फसल आई' मुला मइँ तोहका पचेन्क बतावत
अही कि आपन आपन आँखी खोला अउर खेतन क तरफ
देखा उ सब काटइ क बरे तइयार होइ गवा अहइँ। उ
जउन कटाई करत अहइ आपन मजूरी पावत अहइ। 36अउर
अनन्त जीवन क बरे फसल इकट्ठा करत बा, एह बरे कि
फसल बोवइवाला अउर ओका काटइवाला दुइनउँ साथे साथे
खुस रहइँ। 37इ हमार बात एकदम स सच्ची निकरी,
'एक मनई बोवत ह अउर दूसर मनई ओका काटत ह।'
38मइँ तोहका इ फसल काटइ क बरे भेजे अही जेहि पइ
तोहार मेहनत नाहीं लागी बाटइ। जेहि पइ दूसरे क मेहनत
लगी अहइ अउर ओकरी मेहनत क फल तोहका मिला
अहइ।"
39उ सहर क तमाम मनइयन ईसू मँ बिसवास किहेन, एह
बरे कि उ स्त्री क बात क सच्ची मान लिहेन जउन कहेस,
"मइँ जउन कछू करे रहेउँ, उ ओका ओकरे बारे मँ सब
बताइ दिहेस।" 40जब सामरी ओकरे पास आएन तउ ओन
सबे ओसे ठहरइ क बरे चिरौरी करेन्ह ऍकरे बाद उ दुइ दिन
हुवाँ ठहर गवा। 41ओकरी बात स प्रभावित होइके तमाम
जने ओहमाँ बिसवास करइ लागेन। 42ओन सब उ स्त्री स
कहेन, "अब हम सिरिफ तोहरी साच्छी क नाईं बिसवास ही
नाहीं करत अही, मुला अब तउ हम सब खुदइ सुनि अउर
देख लीन्ह। अब हम पचे जान लीन्ह कि सचमुच उ मनई
संसार क उद्धार करइवाला बाटइ।

राजकर्मचारी क बेटवा क जीवन दान

(मत्ती 8:5-13; लूका 7:1-10)

43दुइ दिन क बाद उ हुवाँ स गलील क चल दिहेस।
44(एह बरे कि ईसू खुद कहे रहा कि कउनो नबी अपने देस
मँ कबहुँ आदर नाहीं पावत।) 45इ तरह जब उ गलील
आवा तउ गलील क रहइवाले ओकर स्वागत करेन्ह काहे
बरे उ पचे उ सबइ कछू लखे रहेन्ह जउन कछु फसह क
त्यौहार यरूसलेम मँ उ किहे रहा: काहेकि उ पचे सबहिं
त्यौहार मँ सामिल रहेन।
46ईसू एक बार फिन गलील मँ काना गवा जहाँ उ पानी
क दाखरस बनाइ दिहे रहा। अब की दाई कफ़रनहूम मँ एक
ठु राजकर्मचारी रहा जेकर बेटवा बीमार रहा। 47जब
राजकर्मचारी सुनेस कि यहूदिया स ईसू गलील आवा अहइ
तउ उ ओकरे पास आवा अउर इ विनती किहेस कि उ
कफ़रनहूम जाइके ओकरे बेटवा क चंगा कइ दे ओकर
बेटवा एकदम मरइ क किनारे आइ गवा रहा। 48ईसू ओसे
कहेस, "अद्भुत कारजन अउर अचरजे कारजन क देखे
बिना तू पचे बिसवास न करब्या।
49राजकर्मचारी ओसे कहेस, "महासय, एकरे पहले कि
मोर बेटवा मरि जाइ, तू मोरे साथे घरे चला।"
50ईसू जवाब दिहेस, "जा तोहार बेटवा जिअत रही।" ईसू
जउन कहे रहा, उ पचे ओह पइ बिसवास किहेस अउर घर
चला गवा। 51उ घर लौटत ही रास्ते मँ रहा कि ओकर
नउकर मिल गएन अउर इ समाचार सुनाएन, "तोहार बेटवा
चंगा होइ गवा।"
52उ पूछेस, "ओकर हालत कब स ठीक होइ लाग ह?"
उ जवाब दिहसे, "कल दुपहरिया मँ एक बजे ओकर बुखार
उतर गवा।"
53उ लरिका क बाप क इ याद आइ गवा कि इहइ
ठीक समइ रहा जब ईसू ओसे कहेस, "तोहार बेटवा जिअत
रही।" इ तरीका स ओकर पूरा परिवार ईसू मँ बिसवास
करइ लाग।
54इ दूसर अद्भुत कारज रहा जउन ईसू यहूदियन क
गलील आए क बाद देखाएस।

पोखरे प लाइलाज मरीज क ठीक होब

5 एकरे बाद ईसू यहूदियन क एक उत्सव मँ यरूसलेम
गवा। 2यरूसलेम मँ भेड़ दरवाजा क पास एक ठु
पोखरा अहइ, जेहिका इब्रानी भाखा मँ 'बैतहसदा' कहा जात
ह। एकरे किनारे पाँच ठु बरामदा बना अहइँ। 3जउने मँ
अँधा, लूला, अउर लकवा का मरीज क भीड़ पड़ी रहत ह।

अउ उ पचे पानी ह हलइ बरे जोहेन। **4**कबहूँ पर्भू क दूत पोखरे प आबत रहा अउ पानी क हलावत रहा। सरगदूत क इ करइ क पाछे जउन पहिला मनई पोखरे मँ घुसत रहा उ बेरामी स नीक होइ जात रहा।"*

5एँनही मरीजन मँ एक अइसा मरीज रहा जउन अड़तीस बरिस स बीमार रहा। **6**जब ईसू ओका हुवाँ लेटा लखेस अउर इ जानेस की एँतने लम्बे समइ बीमार अहइ तउ ईसू ओसे कहेस, "का तू चंगा होइ चाहत अहा?"

7रोगी जवाब देहेस, "महासय मोरे पास केउ नाहीं अहइ जउन पानी क हिलइ प मोका पोखरा मँ उतार देइ। जउ मइँ पोखरा मँ जावा चाहित ह, तउ हमेसा कउनो दूसर मनई मोसे पहिले ओहमाँ उतर जात ह।"

8ईसू ओसे कहेस, "खड़ा होइ जा, आपन बिस्तरा उठावा अउर उ चलइ लागा।"

9उ मनई तुरतंहि चंगा होइ गवा। उ आपन बिस्तरा उठाएस अउर चल दिहेस।

उ दिन सबित क दिन रहा। **10**इ देखिके यहूदियन उ मनई जउन चंगा होइ गवा रहा स कहब सुरु किहेन, "आज सबित क दिन अहइ अउर इ हमरे नियम क खिलाफ अहइ कि तू आपन बिस्तरा उठावा।" **11**इ सुनिके उ जवाब दिहेस, "जउन मोका चंगा किहे बाटइ उ मोसे कहेस, 'आपन बिस्तरा उठावा अउर चल द्या।'"

12उ पचे ओसे पूछेन्ह, उ कउन मनई अहइ जउन तोहसे कहेस कि आपन बिस्तरा उठावा अउर चला?"

13मुला उ मनई जउन चंगा होइ गवा रहा नाहीं जानत रहा कि उ कउन अहइ, काहेकि हुवाँ बहुत भीड़ रही अउर ईसू चुपचाप हुवाँ स चला गवा।

14एँकरे बाद ईसू उ मनई क मन्दिर मँ देखेस अउर ओसे कहेस, "देखा, अब तू नीक होइ गवा अहा, एह बरे अब तू पाप करब बन्द कइ द्या नाहीं तउ कउनो अउर बड़ा कस्ट तोहरे ऊपर आइ सकत ह!"

15फिन उ मनई चला गवा। हुवाँ स चलिके उ यहूदियन स आइ क कहेस की ओका चंगा करइवाला ईसू रहा।

16यहूदियन ईसू क सताउब सुरु कइ दिहेन्ह, एह बरे कि उ अइसे काम सबित क दिन किहे रहा। **17**ईसू ओनका जवाब देत कहेस, "मोर परमपिता कबहुँ काम करब नाहीं छोड़त, एह बरे मइँ काम करित हउँ।"

18यहूदियन ओका मार डावइ क इन्तजाम करइ लागेन्ह। केवल इहइ बरे नाहीं कि उ सबित क तोड़त रहा, मुला इहइ बरे कि उ परमेस्सर क आपन परमपिता कहत रहा। इहइ तरीके स उ अपने क परमेस्सर क बराबर देखाँवत रहा।

ईसू क साच्छी

19जवाब देत ईसू ओनसे कहेस, "मइँ तू सब पचन क सच्ची बात बतावत अहउँ कि पूत अपने आप कछू नाहीं कइ सकत। उ तउ केवल उहइ करत ह जउन करत अपने परमपिता क देखत ह। परमपिता जउन कछू करत ह, पूत उहइ करत ह। **20**परमपिता अपने पूत स पिरेम करत ह। अउर उ सब कछू देखाइ देत ह जउन उ करत ह। ओन सब कामन स बड़ी-बड़ी बातन क उ ओका देखाई। तउ तू पचे अचरज करब्या। **21**जइसे परमपिता मरा पूत क उठाइके ओनका नवा जीवन देत ह। वइसे ही भी उन लोगन क जीवन देत ह, जेनका चाहत ह। **22**परमपिता केहू क निआव नाहीं करत मुला उ निआव करइके अधिकार अपने पूत क दइ दिहे अहइ। **23**जेहसे कि सबहीं मनई क पूत क मान सम्मान करइँ जेहसे कि परमपिता क सबहीं आदर करत हीं। जउन पूत क आदर नाहीं करत परमपिता उ क आदर नाहीं करत जउन ओका पठए अहइ।

24"मइँ तोहका सच-सच बतावत हउँ जउन मोर बात सुनत ह अउर ओह पइ बिसवास करत ह जउन ओका भेजे अहइ, तउ उ अनन्त जीवन पावत ह। निआव क दंड ओकरे ऊपर नाहीं पड़त। उ मनई मृत्यु स जीवन मँ प्रवेस पाइ जात ह। **25**मइँ तू पचन क बतावत अहउँ कि उ समइ आवइवाला अहइ, हियाँ तक कि आइ चुका अहइ जबहीं कि जउन मरि चुका अहइँ, परमेस्सर क पूत क बचन सुनिहइँ अउर जे ओका सुनि लेहीं उ पचे जी उठिहीं। **26**काहेकि जेहसे परमपिता जीवन क स्रोत अहइ, वइसे अपने पूतन क जीवन क स्रोत बनाए बाटइ। **27**अउर उ ओका निआव क अधिकार दिहे अहइ। एह बरे कि उ मनई क पूत अहइ। **28**इ बात प अचरज करइ क जरूरत नाहीं अहइ कि उ समइ आवइवाला अहइ कि जब जउन अपनी अपनी कब्र मँ अहइ, ओकर बचन सुनिहइँ। **29**अउर बाहर आइ जइहइँ। जउन मनई नीक कारज किहे अहइँ उ सबइ पुनरुत्थान पाइ जइहइँ। मुला जउन खराब कारज किहे अहइँ ओनका पुनरुत्थान क बाद दंड दीन्ह जाई।"

ईसू क यहूदियन स कहब

30"मइँ खुदइ अपने आप स कछू नाहीं कइ सकित। मइँ परमेस्सर स जउन सुनित ह उहइ क आधार प निआव करित ह अउर मोर निआव ठीक अहइ काहेकि मइँ अपने मन स कउनो कारज नाहीं करित मुला मइँ ओकरी इच्छा स कारज करित ह जउन मोका पठएस।

31"जदि मइँ अपनी तरफ स साच्छी देउँ तउ मोर साच्छी सच नाहीं अहइ। **32**मोर ताईं साच्छी देइवाला एक ठु अउर अहइ। अउर मइँ जानित ह कि मोरी ताईं जउन साच्छी देत अहइ उ सच्ची अहइ।

33"तू पचे लोगन क यूहन्ना क पास पठए रह्या अउर उ सच्चाई क साच्छी दिहेस। **34**मइँ मनई क साच्छी प भरोसा नाहीं करित मुला मइँ इ बरे कहत हउँ जइसे कि तू पचनक उद्धार होइ जाइ। **35**यूहन्ना उ दीपक क नाईं रहा जउन जलत भइ रोसनी देत ह। अउर कछू समइ तक तू पचे उ रोसनी स फायदा लेइ चाहत रह्या।

36"मुला मोर साच्छी यूहन्ना क साच्छी स बड़ी बाटइ, यह बदे कि परमपिता जउन कारज पूरा करइ क बरे मोका जिम्मेवारी सौंपी अहइ, मइँ उहइ कारज करत अहउँ अउर मोर कीन्ह कारज अपने आपइ इ बात क साच्छी अहइ कि परमपिता मोका पठए अहइ। **37**परमपिता जउन मोका पठए

अउ … रहा पद 3-4 कछू यूनानी प्रतियन मँ इ भाग जोड़ा गवा अहइ।

अहइ, उ खुदइ मोर साच्छी दिहे अहइ। तू पचे ओकर
कउनो बचन नाहीं सुन्या अउर न तउ ओकर रूप लखे
अहा। **38**अउर न तउ अपने अन्दर ओकर संदेस धारन करे
अहा, काहेकि तू पचे जेका परमपिता भेजे अहइ, ओकरे मँ
बिसवास नाहीं करत अहा। **39**तू पचे पवित्तर सास्तरन क
धियान स पढ़त ह काहेकि तोहार इ विचार अहइ कि तोहका
उहइ स अनन्त जीवन मिल जाई। मुला इ सब पवित्तर
सास्तर मोर साच्छी देत हीं। **40**एतना होत भए भी तू पचे
मोरे पास नाहीं आवा चाहत अहा।

41"मइँ मनइयन क कीन्ह प्रसंसा प भरोसा नाहीं करित।
42मुला मइँ जानित ह कि तोहार भीतर परमेस्सर क पिरेम
नाहीं अहइ। **43**मइँ अपने परमपिता क नाउँ स आइ अहउँ
तबहूँ तू पचे स्वीकार नाहीं करत अहा, अउर अगर कउनो
दूसरे नाउँ स कहे आइ जाइ तउ तू ओका स्वीकार करब्या।
44तू मोहे मँ बिसवास कइसे करि सकत ह, काहे बरे कि
तू पचे एक दूसरे क प्रसंसा करत ह। तू पचे उ प्रसंसा
कइँती देखबउ नाहीं करत अहा जउन केवल परमेस्सर क
तरफ स आवत अहइ। **45**तू पचे इ तनिकउ न सोचा कि
मइँ तोहका परमपिता क सामने दोखी ठहराऊब। जउन
तोहका पचे क दोखी ठहराई, उ मूसा होई जेकरे ऊपर तू
पचे आपन आसरा लगाए अहा। **46**जदि तू सबइ मूसा मँ
बिसवास करत्या तउ तू मोहे मँ बिसवास करत्या काहेकि उ
मोरे बारे मँ लिखे अहइ। **47**जबहीं तू ओकरे लिखे मँ
बिसवास नाहीं करत अहा, तउ तू मोरे बात मँ बिसवास
कइसे करब्या?"

पाँच हजार स जियादा मनइयन क भोजन

(मत्ती 14:13-21; मरकुस 6:30-44; लूका 9:10-17)

6 ओकरे बाद ईसू गलील क झील यानी कि तिबिरियास
क दूसरे पार चला गवा। **2**अउर ओकरे पाछे पाछे
बहुत बड़ी भीड़ चल दिहेस, काहेकि उ सब तमाम मरीजन
क नीक होत समइ तमाम अचरज भरा चीन्हन देखे रहेन्ह।
3ईसू पहाड़ प चला गवा अउर हुँवा अपने चेलन क साथ
बइठ गवा। **4**यहूदियन क फसह क त्यौहार निचके रहा।

5जबहीं ईसू आँख उठाइके देखेस कि एक बहुत बड़ी
भीड़ ओकरी तरफ चली आवत अहइ तउ उ फिलिप्पुस स
पूछेस, "इ सब लोगन्हे क खइया खियावइ क बरे रोटी
कहाँ स खरीदी जाइ सकत ह?" **6**(ईसू इ बात ओकर
परीच्छा लेइ क बरे पूछेस, उ तउ जानत रहा कि उ क
करइ जात अहइ।)

7फिलिप्पुस जवाब दिहेस, "दुई सौ चाँदी क सिक्कन स
ऍतनी रोटी न मिली कि सब मनई क एक टुकड़े स तनिकउ
जियादा मिल सकइ।"

8ईसू क एक दूसर चेला समौन पतरस क भाई अन्द्रियास
कहेस, **9**"हियाँ एक नान्ह क लरिका क लगे पाँच ठु जौ
क रोटी अउर दुइ ठु मछरी अहइँ, मुला खाइवाले तउ बहुत
जियादा मनई अहइँ ओनके बरे इ बहुत कम अहइ।"

10ईसू जवाब दिहेस, "सब लोगन्ह क बैठावा" (उ जगह
प अच्छी खासी घास रही) सब मनई हुवाँ बइठ गएन उ
सब कुल मिलाइके करीब पांच हजार मनई रहेन्ह।)

11फिन ईसू रोटी लिहेस, अउर हुवाँ बइठे भए मनइयन
क आवस्यकतानुसार सुक्रिया दइके रोटी परोस दिहेस। इहइ
तरह जेतना उ सब जेतना चाहत रहेन, ओतनी मछलियन
ओनका दइ दिहेस।

12जब ओनके सबके पेट भरि गएन तउ ईसू अपने चेलन
स कहेस, "जउन टुकड़ा बचा अहइँ, ओनका बटोर ल्या
जइसे उ बेकार स बरबाद न होइँ।" **13**फिन चेलन लोगन क
परोसी गइ जो क पांच रोटियन क बचे भएन टुकड़न स
बारह टोकरी भरि दिहसे

14ईसू क ऍतना अद्भुत कारज क देखिके सब मनइयन
कहइ लागेन, "जरूर इ मनई उहइ नबी अहइ जेका इ
दुनियाँ मँ आवइ क रहा।"

15ईसू जब इ जानेस कि लोग आवइवाला अहइँ अउर
ओनका लइ जाइके राजा बनावा चाहत अहइँ, तउ उ
अकेलेही पहाड़ प चला गवा।

ईसू क पानी प चलब

(मत्ती 14:22-27; मरकुस 6:45-52)

16जब साँझ क बेला भइ अउर ओनके सब चेलन झील
प चला गएन **17**अउर एक ठु नाव प बइठके वापस झील
क पार कफरनहूम क तरफ चला गएन। मजे क अंधेरा होइ
ग रहा, मुला ईसू अबहीं तलक लौटिके ओनके सबन क
पास नाहीं आवा रहा। **18**तूफानी हवा बहत रही जेकरे कारण
झील मँ लहर खूब तेज होत रहिन्ह। **19**जब उ पचे करीब
पांच-छ: किलोमीटर आगे चला गएन तउ देखेन कि ईसू
झील प चलत अहइ अउर नाव क पास आवत रहा। इ
देखिके उ पचे डेराइ गएन। **20**मुला ईसू ओन सबसे कहेस,
"इ मइँ अहउ, डेरा जिन।" **21**फिन उ पचे ओका जल्दी स
नाव प चढ़ाइ लिएन्ह अउर नाव जल्दी स हुवाँ पहुँच गइ
जहाँ ओका जाइ क रहा।

ईसू क खोज

22दूसरे दिन सब मनइयन क भीड़ जउन झील क पार
बच गइ रही, इ देखेस कि हुवाँ एक ठु नाव अकेले रही
अउर अपने चेलन क साथ ईसू उ नाव प नाहीं सवार भवा
बल्कि ओकर चेलन अकेल्ले ही रवाना भएन। **23**तिबिरियास
क कई ठु नाव उ जगह प आइके रुकिन जउने जगह प
उ पचे पर्भू क धन्यबाद दिहे क बाद रोटी खाए रहेन। **24**इ
तरह जब उ भीड़ देखेस कि न तउ हुवाँ ईसू अहइ अउर न
तउ ओनकइ चेलन अहइँ, तउ उ पचे नाव प चढ़िके अउर
ईसू क ढूँढ़त कफ़रनहूम क तरफ चल पड़ेन।

ईसू, जीवन क रोटी

25जब उ पचे ईसू क झील क दूसरे पार पाएन तउ ओसे
कहेन, "हे गुरु, तू हियाँ कब आया?"

26ऍकरे जावब मँ ईसू ओनसे कहेस, "मइँ तोहका सच्ची
बात बतावत अहउँ, तू पचे मोका इ बरे नाहीं खोजत अहा
कि तू सब अद्भुत कारजन देखे अहा, मुला तू पचे इ बरे
मोका ढूँढ़त अहा, काहेकि तू सब पेट भरिके रोटी खाए
अहा। **27**उ खाना क बरे मेहनत न करइ चाही जउन खराब

होइ जाइ मुला ओकरे बरे जतन करइ चाही जउन हमेसा उत्तिम बना रहत ह अउर अनन्त जीवन देत ह, जउन तोहका सबक मनई क पूत देई। काहेकि परमपिता ओका मानके आपन मोहर ओह पइ लगाइ दिहे अहइ।"

28मनइयन ईसू स पूछेन, "परमेस्सर क कारज क बरे हम सब का करी?"

29ईसू ओनका इ जवाब दिहेस, "जउन परमेस्सर चाहत ह कारज इ अहइ कि तू पचे ओह पइ बिसवास करा जेहिका उ भेजे अहइ।"

30तउ उ पचे ओसे कहेन, "फिन तू कउन स अद्भुत कारज देखॉवत अहा जेहिका देखिके हम तोह पर बिसवास करी? तू कउन स कारज देखॉवत अहा?" **31**हमार पूर्वजन रेगिस्तान मँ मन्ना* खाएन, जइसे कि पवित्तर सास्तरन मँ लिखा बा, 'परमेस्सर ओनका खाइ क बरे सरग स रोटी दिहेस।'"*

32एह पइ ईसू ओनसे कहेस, "मइँ तोहका सच बतावत अहउँ कि मूसा नाहीं, मुला मोर परमपिता तोहका सरग स सच्ची रोटी देत ह। **33**उ रोटी जउन परमेस्सर देत ह, उ सरग स उतरी अहइ, अउर इ संसार क जीवन देत ह।"

34तउ उ पचे ओसे कहेन, "हे पर्भू, अब हम पचे क उ रोटी द्या अउर हमेसा देत रहा।"

35ईसू ओनसे कहेस, "मइँ उ रोटी अहउँ जउन जीवन देत ह। जउन मनई मोरे पास आवत ह, उ कबहूँ भूखा नाहीं रहत अउर जउन मोरे मँ बिसवास करत ह, उ कबहूँ पियासा नाहीं रहत। **36**मइँ तोह सबन क पहले स बताइ चुका अहउँ कि तू मोका देख लिए अहा, तबहूँ मोहमाँ बिसवास नाहीं कर त्या। **37**एक एक मनई जेहिका परमपिता मोका सौंपे अहइ, मोरे पास आई जउन मोरे पास आवत ह, मइँ ओका कबहूँ न लौटाउब। **38**मइँ सरग स अपनी मर्जी स काम करइ नाहीं आइ अहउँ, मइँ तउ ओकर मरजी क पूरा करइ आइ बाटेउँ, जउन मोका हिआँ भेजे अहइ। **39**अउर उ भेजइवाले क इच्छा इ बाटइ कि जेका जेका उ मोका सौंपे अहइ, ओहमाँ म एकउ क न खोइ देउँ अउर आखिरी दिन ओनका सबका जिन्दा कइ देउँ। **40**इहइ मोरे परमपिता क इच्छा अहइ कि हर एक मनई जउन पूत क देखत ह अउर ओहमाँ बिसवास करत ह, अनन्त जीवन पाई अउर आखिरी दिन मइँ ओका जियाइ देइ।"

41इ सुनिके यहूदियन ईसू प बड़बड़ाय लागेन, काहेकि उ कहत रहा, "मइँ उ रोटी अहउँ जउन सरग स उतरी अहउँ।" **42**अउर उ पचे कहेन, "का इ यूसुफ क पूत ईसू न अहइ का हम एनके महतारी बाप क नाहीं जानित? फिन इ कइसे कहत बा कि 'मइँ सरग स उतरा हउँ?'"

43एकरे जवाब मँ ईसू ओनसे कहेस, "एक दूसरे प बड़बड़ाब छोड़ द्या, **44**मोरे लगे तब तलक कउनो नाहीं आइ सकत जब तक मोका भेजइवाला परमपिता ओका मोरे तरफ न खींचइ। मइँ आखिरी दिन ओका फिन जियाइ देब। **45**नबियन लिखे अहइँ, 'अउर उ सब परमेस्सर दवारा सिखावा भए होइहीं।'* **46**जउन मनई परमपिता क सुनत ह, अउर ओसे सीखत ह, मोरे पास आवत ह। मुला सच-सच जेहिका परमपिता भेजे अहइ, ओका छाँड़िके कउनो नाहीं लखे अहइ। परमपिता क बस उहइ लखे अहइ। **47**मइँ तोहसे सच-सच कहत बाटेउँ कि जउन मनई बिसवास करत ह उ अनन्त जीवन पावत ह। **48**मइँ उ रोटी अहउँ जउन जीवन देत ह। **49**तोहार पचेन्क पूर्वजन रेगिस्तान मँ मन्ना खाए रहेन्ह तबहूँ उ पचे मरि गएन। **50**इ उ रोटी अहइ जउन सरग स उतरत ह जउने कि मनई ओहमाँ स खात ह उ न मरी। **51**जीवन क रोटी जउन सरग स उतरी अहइ, उ मइँ अहउँ। जउन मनई इ रोटी खाई, उ हमेसा जीवित रही, अउर जउन रोटी मइँ दुनिया क जिन्नगी क बरे देब, उ मोर माँस अहइ। इहइ स संसार जिअत रही।"

52इ सुनिके यहूदियन आपस मँ झगड़ा करइ लागेन कि "कइसे इ मनई हम पचेन्क आपन माँस खाइ क बरे देत ह?"

53ईसू ओनसे कहेस, "मइँ तोहसे सच-सच कहत अहउँ, जब तक तू पचे मनई क पूत क माँस न खाब्या अउर ओकर लहू न पीब्या, तब तक तोहरे मँ असली जीवन नाहीं आई। **54**जउन मोर माँस खात ह अउर हमार लहू पियत ह, अनन्त जीवन उहइ पावत ह अउर आखिरी दिन ओका मइँ फिन जीवित करि देब। **55**काहेकि मोर माँस सब खाइवाली चीज अहइ अउर मोर लहू सच-सच पियइवाली चीज अहइ। **56**जउन मोर माँस खात ह अउर मोर लहू पियत ह, उ मोरे मँ रहत ह अउर मइँ ओहमाँ समाइ जाइत हउँ। **57**इ बात बिल्कुल उहइ तरह अहइ कि जइसे जिअत-पिता मोका भेजे अहइ, अउर उहइ परमपिता क कारण मइँ जीवित अहउँ ठीक उहइ तरह जउन मनई खात रही, उ मोरे कारण जीवित रही। **58**इ उहइ रोटी अहइ जउन सरग स उतरी अहइ। इ रोटी वइसे नाहीं अहइ जइसे मोरे पचे क पूर्वजन खाए रहेन। अउर बाद मँ उ सब मरि गएन। जउन मनई इ रोटी क खात रही, उ हमेसा जिन्दा रही।" **59**ईसू इ सब बात कफरनहूम आराधनालय मँ सिच्छा देत कहे रहा।

अनन्त जीवन क उपदेस

60जब ईसू क चेलन क इ बात पता चली तउ उ कहेन्ह, "इ सिच्छा बहुतइ कठिन अहइ, एका कउन सुनि सकत ह?"

61ईसू क खुदइ पता चलि गवा रहा कि ओनके चेलन क उपदेस क बारे मँ सिकायत रही। एह बरे उ ओनसे कहेस, "का इ उपदेस तोहका ठेस पहुँचावत ह? **62**अइसी बात अहइ कि तउ तोहका अगर मनई क पूत क जहाँ उ पहिले रहा, हुवाँ फिन लौटत देखइ क पड़इ तउ का होई? **63**आतिमा उहइ अहइ जउन जीवन देत ह। सरीर क कउनो उपयोग नाहीं बाटइ। जउन बात मइँ तोहसे कहे बाटेउँ, उहइ आतिमा अहइ अउर उहइ जीवन देत ह। **64**मुला तोहरे पचे क बीच मँ कछू मनई अइसे अहइँ, जउन ओहमाँ बिसवास नाहीं करतेन।"

मन्ना एक प्रकार क स्वर्गिक खाना जिसे परमेस्सर मूसा क समइ यहूदियन क बनवास क दिनन मँ रेगिस्तान मँ दिहे रहा।

'परमेस्सर ... दिहेस' भजन. 78:24

'अउ ... होइहीं' यसा. 54:13

(ईसू तउ सुरु सुरु मँ इ जानत रहा कि उ पचे कउन
मनई अहइँ, जउन बिसवास नाहीं करत अहइँ अउर उ मनई
कउन बा जउन ओका धोखा देइ।)
65ईसू फिन कहेस, "इहइ बरे मइँ तोहसे कहे अहउँ,
'मोरे पास तब तलक कउनो नाहीं आइ सकत जब तलक
कि परमपिता ओका मोरे पास आवइ क इजाजत न देइ।'"
66इहइ कारण रहा कि ईसू क ढेर चेलन लौट गएन।
अउर फिन कबहूँ ओकरे पाछे नाहीं चलेन।
67फिन ईसू अपने बारहु प्रेरितन स कहेस, "का तू पचे
भी जाइ चाहत अहा?"
68समौन परतस जवाब दिहेस, "पर्भू हम पचे केहिके लगे
जाइ? उ सब्दन तउ तोहरे लगे अहइँ जउन अनन्त जीवन
देत हीं। **69**अब हम पचे तोह पर बिसवास करित ह अउर
हम जानित ह कि तू सबसे पवित्तर अहा जेहिका परमेस्सर
भेजे अहइ।"
70ईसू ओनका इ जवाब दिहेस, "का तोहका बारहु प्रेरितन
का मइँ नाहीं चुने अहउँ। मुला तोहरे बीचे मँ एक ठु
सइतान अहइ।"
71उ समौन इस्करियोती क बेटवा यहूदा क बारे मँ कहत
रहा, जउन ईसू क धोखा देइवाला रहा। बारह प्रेरितन मँ
उहइ एक रहा।

ईसू अउर ओकर भाइयन

7 ओकरे बाद ईसू गलील चला गवा। उसने यहूदिया मँ
यात्रा न करइ का निस्चय किहेस। काहेकि यहूदी
ओका मारि डावा चाहत रहेन। **2**यहूदियन क कुटीर क
त्यौहार* आवइवाला रहा। **3**इ बरे ईसू क भाइयन ओसे
कहेन, "तोहका इ जगहा छोड़िके यहूदिया चला जाइ चाही।
जइसे कि तोहार चेलन तोहार अद्‌भुत कारजन देख पावइँ।
4कउनो मनई जउन सब मनइयन क बीच मँ मसहूर होइ
चाहत ह, आपन कारज छिपाइ क नाहीं करत। तू तउ
अद्‌भुत कारजन करत ह, इ बरे समूचे संसार मँ अपुना क
परगट करा।" **5**(ईसू क भाइयन ओहमाँ बिसवास नाहीं करत
रहेन।) **6**ईसू ओनसे कहेस, "मोरे बरे अबहीं तब नीक समइ
नाहीं आवा बाटइ। मुला तोहरे बरे सबइ समइ नीक अहइ।
7इ दुनिया तोहसे घिना नाहीं कइ सकत मोसे तउ घिना करत
ह। मोसे घिना करइ क कारण इ बाटइ कि मइँ सब क
कहत फिरत हउँ, कि तोहार इ कारज बुरा अहइ, **8**इ त्यौहार
मँ तू पचे जा मइँ एहि बार न जाब, मोर नीक समइ अबहीं
नाहीं आइ बाटइ।" **9**इ कहिके ईसू गलील मँ रुक गवा।
10तब ओकर सब भाई त्यौहार मँ चला गएन तब उहउ
चला गवा। उ खुलेआम नाहीं गवा मुला छुप छुपके उहइ
हुवाँ पहुँच गवा। **11**यहूदी ओका त्यौहार मँ इ कहत खोजत
फिरत रहेन, "उ मनई कहाँ अहइ?"
12ईसू क बारे मँ उ भीड़ मँ छिप छिप क तरह तरह क
बातन होत रहिन। कछू मनई कहत रहेन, "उ नीक मनई
बाटइ" मुला दूसर कछू मनई कहत रहेन, "नाहीं, उ तउ
सबका भटकावत अहइ।" **13**ओकरे बारे मँ कउनो भी
खुलिके नाहीं बतियात रहा, काहेकि उ पचे यहूदी क नेता स
डेरात रहेन।

यरूसलेम मँ ईसू क उपदेस

14जब उ त्यौहार करीब करीब आधा बीत गवा तब ईसू
मन्दिर मँ गवा अउर उपदेस देब सुरु कइ दिहेस। **15**यहूदी
क नेता क बहुत अचरज भवा अउर उ पचे कहेन, "इ
मनई आज तक कउनो पाठसाला मँ पढ़इ क बरे नाहीं
गवा, इ कइसे एँतनी गियान क बात करत बाटइ?"
16एँकरे जवाब मँ ईसू ओनसे कहेस, जउन सिच्छा देत
अहउँ, उ मोर आपन नाहीं अहइ, इ हुवा स आवत अहइ,
जउन मोका भेजेस ह। **17**अगर मनई उ करइ चाहत ह,
जउन परमेस्सर क इच्छा अहइ, तउ उ जान जाई कि जउन
सिच्छा मइँ देत अहउँ, उ ओकर अहइ या मइँ अपनी ओर
स देत अहउँ **18**जउन अपनी ओर स बोलत ह, उ अपने बरे
प्रसिद्धि चाहत ह, मुला सच्चा उ मनई अहइ जउन खुदइ
प्रसिद्धि पावा न लइके ओका देइ क कोसिस करत ह, जउन
ओका भेजे अहइ। ओहमाँ फिन कउनो तरह क खोट नाहीं
रहत। **19**का तू पचन क मूसा व्यवस्था क दिहे अहइ? मुला
तोहरे मँ स कउनो ओकर पालन नाहीं करत। तू मोका मार
डावइ क कोसिस काहे बरे करत अहा?"
20उ लोग इ जवाब दिहेन, "तोहरे ऊपर दुस्ट आतिमा
चढ़ी अहइ जउन तोहका मार डावइ क कोसिस करत
बाटइ।"
21एकरे जवाब मँ ईसू कहेस, "मइँ एक चमत्कार करम
करेउँ अउर तू पचे चकराइ गया। **22**इहइ कारण रहा कि
मूसा तू पचन क, खतना क नियम दिहे रहा (इ नियम मूसा
का नाहीं बरन, इ तउ तोहरे पूर्वजन स चला आवत रहा।)
अउर तू सब क दिन लरिकन क खतना करत ह। **23**अगर
सबित क दिन कउनो क खतना इ बरे करइ जात ह कि
मूसा क विधान बचा रहइ, उ टूटइ न पावइ तउ तू पचे मोरे
ऊपर काहे गुस्सा करत अहा कि मइँ सबित क दिन एक
मनई क एकदम ठीक कइ दीन्ह? **24**जउन बात जइसे देखात
अहइ, उहइ तरह ओहपइ निआव न करइ चाही, जउन
एकदम ठीक बात होइ उहइ क आधार प निआव होय
चाही।"

का ईसू ही मसीह अहइ?

25फिन यरूसलेम मँ रहइवाले लोगन मँ स कछू कहेन,
"का इहइ तउ उ मनई नाहीं अहइ जेहिका उ लोग मार
डावा चाहत अहइँ? **26**मुला देखा; उ तउ सब मनइयन क
बीच मँ बोलत अहइ अउर कउनो ओसे कछू नाहीं कहत
अहइँ। का इ बात नाहीं होइ सकत कि यहूदी नेता क पता
होइ ग होइ कि इहइ मसीह अहइ। **27**खैर हम सबका तउ
पता होइ ग अहइ कि इ कहाँ स आइ बाटइ। जब असली
मसीह आइ जाइ तउ कउनो न जान पाइ कि उ कहाँ स
आवा।"

कुटीर क त्यौहार इ त्यौहार हर बरिस हफता भर मनावा जात रहा, जब यहूदियन तम्बू मँ रहत भए ओन दिनन क सुमिरत रहेन जब मूसा क जमाने मँ ओनकइ पूर्वजन चालीस बरिस तलक रेगिस्तान मँ भटकत रहेन।

28ईसू जब मन्दिर मँ उपदेस देत रहा तउ बड़े जोर स
कहेस, "तू पचे मोका जानत अहा अउर इहउ जानत अहा
कि मइँ कहाँ स आएउँ। मइँ अपनी कइँती नाहीं आइ
अहउँ। मइँ ओकरे पास स आएउँ ह जउन मोका भेजे
अहइ, उहइ सच्चा अहइ, तू पचे ओका नाहीं जानत अहा।
29मुला मइँ ओका जानत अहउँ, काहेकि मोका उहइ
पठएस।"
30फिन उ पचे ओका बन्दी बनाइ क जतन करइ लागेन
मुला कउनो ओह पइ हाथ नाहीं डाइ पाएस, एह बरे कि
ओकर समइ अबहीं पूरा नाहीं भवा रहा। 31तमाम मनई
ओकरे मँ बिसवास करइ लागेन अउर कहइ लागेन, "जब
मसीह आई तउ उ जेतना अद्भुत कारजन इ करत बा ओसे
जियादा उ थोड़ा कइ पाई। का उ अइसा करी?"

यहूदियन क ईसू क बन्दी बनावइ क कोसिस

32फरीसियन इ सुनेन कि भीड़ मँ तमाम मनई चुप्पे चुप्पे
ईसू क बारे मँ कहत रहेन्ह अउर मुख्ययाजक अउर
फरीसियन मन्दिर क सिपाहियन क ईसू क गिरफ्तार करइ
बरे भेजेन। 33फिन ईसू बोला, मइँ तू पचेन्क साथ कछू
समइ तलक अउ रहब, फिन ओकरे पास वापिस लौट जाब,
जउन मोका हियाँ भेजे अहइ। 34तू पचे मोका ढूँढ़िब्या मुला
ढूँढ़ि न पउब्या। काहेकि तू पचे हुवाँ तलक न जाइ पाउब्या
जहाँ मइँ रहब।"
35ऍकरे बाद यहूदी आपस मँ बतियाइ लागेन, "इ कहाँ
जाइवाला अहइ, जहाँ हम पचे ऍंका न ढूँढ़ि पाऊब। साइत
ह हुवाँ तउ नाहीं जात अहइ जहाँ हमार मनइयन यूनानी
नगरन मँ तितर बितर होइके रहत हीं। का इ यूनानियन मँ
उपदेस देई? 36जउन इ कहत अहइ, 'ओकर क मतलब
अहइ?' जउन इ कहत अहइ, 'तू मोका ढूँढ़ि न पउब्या
अउर जहाँ मइँ रहब, हुवाँ तू पहुँच नाहीं सकत ह।'"

ईसू पवित्तर आतिमा क उपदेस दिहेस

37त्यौहार क आखिरी अउर जरूरी दिन ईसू ठाढ़ भवा
अउर ऊँची आवाज मँ कहेस, "अगर कउनो पियासा अहइ
तउ मोरे पास आवइ अउर पियइ। 38जउन मनई मोरे मँ
बिसवास करत ह, जइसा कि पवित्तर सास्तर मँ लिखा
अहइ, ओकरे पवित्तर आतिमा स जीवन जल क नदियन
फूट पड़िहइँ।" 39ईसू इ पवित्तर आतिमा क बारे मँ बताए
रहा। जेहिका उ पचे पइहीं जउन ओहमा बिसवास करत हीं,
उ पवित्तर आतिमा अबहीं तलक नाहीं दीन्ह गइ अहइ,
काहेकि ईसू अबहीं तलक महिमावान नाहीं भवा अहइ।

ईसू क बारे मँ लोगन क बातचीत

40भीड़ क कछू मनई जउन इ सुनेन तउ कहइ लागेन,
"इ मनई सच मँ नबी अहइ।"
41कछू अउर मनई कहत रहेन, "इहइ मनई मसीह
अहइ।" कछू अउर मनई कहत रहेन, "मसीह गलील स न
आई। का इ होइ सकत ह? 42का पवित्तर सास्तर मँ नाहीं
लिखा अहइ कि मसीह दाऊद क लरिका होई अउर
बैतलहम स आई जउने सहर मँ दाऊद रहत रहा।" 43ऍह
तरह स ईसू क मनइयन मँ सब मनइयन क बीच मँ फूट
पड़ि गइ। 44कछू लोग ओका बन्दी बनावा चाहत रहेन मुला
कउनो ओकरे प हाथ नाहीं डाएन।

यहूदी नेतन क अबिसवास

45इ बरे मन्दिर क सिपाही मुख्ययाजक अउर फरीसियन
क पास लौट आएन। एहि पइ ओनसे पूछा गवा, "तू ओका
पकरिके काहे नाहीं लाया?"
46सिपाहियन क जवाब रहा, "कउनो मनई आज तक
अइसे नाहीं बोला, जइसे उ बोलत ह!"
47ऍहि पइ फरीसियन ओनसे कहेन, "का तू पचे भरमाइ
ग अहा? 48कउनो यहूदी नेता या फरिसियन ओकरे मँ कबहुँ
बिसवास नाहीं करे अहइँ। 49मुला जउन मनइयन क
व्यवस्था क जानकारी नाहीं अहइ, परमेस्सर ओनका सराप
देत ह।"
50नीकुदेमुस ओनसे कहेस इ उहइ रहा जउन पहिले ईसू
क पास गवा रहा, इ ओन फरीसियन मँ स एक ठु अहइ,
51"हमार व्यवस्था क तब तलक कउनो क दोखी नाहीं
ठहरावत जब तलक ओका सुनि नाहीं लेत अउर इ पता
नाहीं लगाइ लेत कि उ कउन करम करे अहइ।"
52ऍकरे जवाब मँ उ पचे ओसे कहेन, "का तू भी
गलील क अह्या? सास्तर क पढ़े स पता चलत ह कि
गलील स कउनो नबी कबहूँ नाहीं आई।"

(कछू यूनानी प्रतियन मँ यूहन्ना 7:53-8:11 पद नाहीं अहइँ।)

दुराचारी स्त्री स क छमा

53फिन उ पचे हुवाँ स अपने घर चला गएन।
8 अउर ईसू जैतून पर्वत प चला गवा। 2एकदम सबेरे उ
फिन मन्दिर मँ गवा। सब मनई ओकरे पास आएन।
ईसू बइठके ओनका सबेन्हका उपदेस देइ लाग। 3तबहीं
धरम सास्तरी अउर फरीसी लोग व्यभिचार क अपराध मँ
एक ठु स्त्री क पकरि लइ आएन। अउर ओका सबके
सामने ठाढ़ करि दिहेन्ह।
4अउर ईसू स कहेन्न, "हे गुरु, इ स्त्री व्यभिचार करत
रंग हाथ पकड़ी गइ अहइ। 5मूसा क व्यवस्था हमका
पचेन्ह क आदेस देत ह क अइसी स्त्री क पाथर मारइ
चाही। अब बतावा तोहार क कहब अहइ?"
6ईसू क अजमावइ क बरे उ सबेन्ह पूछत रहेन्ह जइसे
कि ओनका सबन्क ओकरे खिलाफ कउनो अभियोग
लगावा जाइ सकइ। मुला ईसू नीचे झुका अउर अपनी
अंगुरी स जमीन प लिखइ लाग। 7यहूदी नेता पूछत जात
रहेन्ह, इ बरे ईसू सोझ सोझ तनि क ठाढ़ि होइ गवा अउर
ओनसे कहेस, "तोहरे सब मँ स जउन मनई पापी न होइ,
सबसे पहिले उहइ इ स्त्री क पाथर मारइ।" 8अउर फिन उ
झुक कर जमीन प लिखइ लाग।
9जब सब मनई इ सुनेन्ह तउ सबसे पहिले बुढ़वा
मनइयन अउर फिन एक एक कइके हुवाँ स खिसकइ
लागेन अउर हुवाँ अकेले ईसू बचा रहा। ईसू क सामने उ

स्त्री अबहीं तलक ठाढ़ि रही। 10ईसू खड़ा भवा अउर उ स्त्री स कहेस, “ऐ स्त्री, उ पचे कहाँ चला गएन। का तोहका कउनो दोखी नाहीं ठहराएस?”

11उ स्त्री बोली, नाहीं, महासय! कउनो नाहीं।”

ईसू कहेस, “मइँ भी तोहका दण्ड न देब। जा अउर अब फिन कबहूँ पाप न करिउ।”

दुनिया क ज्योति ईसू

12फिन हुवाँ मौजूद मनइयन स ईसू कहेस, “मइँ दुनिया क ज्योति अहउँ, जउन मोरे पाछे चलत ह, उ कबहुँ अंधेरे मँ नाहीं रहत। ओका तउ उ ज्योति मिली जउन जीवन देत ह।”

13इ सुनिके फरीसियन ओनसे कहेन, “तू आपन साच्छी खुदइ देत अहा, ई बरे तोहार साच्छी न मानी जाई।”

14एकरे जवाब मँ ईसू ओनसे कहेस, “जदि मइँ आपन साच्छी अपनी कइँती स आप देत अहउँ, तबहूँ मोर साच्छी सही अहइ, काहेकि मइँ इ जाना चाहित ह, कि मइँ कहाँ स आवा अहउँ अउर कहाँ जात अहउँ। 15तू पचे मनइयन क बनाए नेमॅन प निआव कहत ह, मइँ कउनो क निआव नाहीं करत अहउँ। 16जदि मइँ निआव करी तउ मोर निआव उचित होइ। काहेकि मइँ अकेले नाहीं अहउँ, बल्कि परमपिता जउन मोका हियाँ भेजे अहइ, दुइनउँ मिलके निआव करित ह। 17तोहरे व्यवस्था मँ लिखा अहइ कि दुइ मनइयन क साच्छी सच्ची होत ह। 18मइँ आपन साच्छी खुदइ देत अहउँ अउ परमपिताा, जउन मोका भेजे अहइ, मोरी ओर स साच्छी देत ह।”

19इ सुनिके उ सब मनइयन ओसे कहेन, “तोहार परमपिता कहाँ अहइ?” ईसू जवाब दिहेस, “न तउ तू पचे मोका जानत अहा अउर न तउ मोरे परमपिता क। जदि तू मोका जानत होत्या, तउ मोरे परमपिता क जानि लेत्या।” 20मंदिर मँ उपदेस देत भए जउन मनई भेंट पात्रन क पास रहेन, ओनसे इ बात ईसू कहेस। मुला कउनो ओकाा बन्दी नाहीं बनाएस, काहेकि ओकर समइ अबहीं नहीं रहा।

यहूदियन क ईसू क बारे मँ अगियान

21ईसू ओनसे एक बार फिन कहेस, “मइँ चला जाब अउर तू पचे मोका खोजब्या। मुला तू पचे अपने पापन क कारण मरि जाब्या। जहाँ मइँ जात अही तू पचे हुँवा नाहीं आइ सकत ह।”

22फिन यहूदी कहइ लागेन, “का तू इ सोचत अहा। कि उ खुद्कुसी करइवाला अहइ? काहेकि उ कहेस ह, ‘तू पचे हुवाँ नाहीं आइ सकत ह जहाँ मइँ जात अहउँ।

23एह पइ ईसू ओनसे कहेस, “तू पचे नीचे क अहा अउर मइँ ऊपर स आवा हउँ, तू पचे संसारिक अहा अउर मइँ इ दुनिया मँ नाहीं हउँ। 24इ बरे मइँ तू सबन स कहत हउँ तू पचे अपने पाप मँ मरि जाब्या। जब तू बिसवास नाहीं करत अहा कि उ मइँ अहउँ। तउ तू अपने पाप मँ मरि जाब्या।”

25उ पचे ईसू स फिन पूछेन, “तू कउन अह्या?”

ईसू ओनका जवाब दिहेस, “मइँ उहइ अहउँ, जइसे कि सुरुआत मँ मइँ तोहका बताए रहेउँ। 26तू पचेन्क बतावइ क बरे अउर तू पचन क निआव करइ क मोरे पास बहुत कछू अहइ। मुला सच्ची बात इ अहइ कि सत्य उहइ अहइ जउन मोका भेजेस। मइँ उहइ बतावत अही जउन मइँ ओसे सुने अहउँ।”

27उ पचे इ नाहीं जान पाएन्ह कि ईसू ओनका परमपिता क बाबत बतावत अहइ। 28फिन ईसू ओनसे कहेस, “जब तू मनई क पूत क ऊँचा उठाय लेब्या तू जान लेब्या कि उ मइँ अहउँ। मइँ अपनी ओर स कछू नाहीं करत अहउँ। मइँ जउन करत अहउँ, इ उहइ अहइ जउन मोका परमपिता सिखाए अहइ 29अउर उ जउन मोका इहाँ भेजेस, उ मोरे साथ अहइ। उ कबहूँ मोका अकेले नाहीं छोड़ेस, इ बरे कि मइँ उहइ कारज करित ह जइसा उ चाहत ह।” 30ईसू जब इ बात बातवत रहा, तउ बहुत मनई ओकर बिसवासी होइ गएन।

पाप स छुटकार पावइ क उपदेस

31ईसू ओन यहूदियन क बतावइ लाग, जउन ओहमाँ बिसवास करत रहेन, “जब तू पचे मोरे उपदेस प चलब्या तउ तू मोर सच्चा चेलन बन जाब्या। 32अउर सच्चाई क जान लेब्या। अउर सच्चाई तोहका मुक्ति दइ देइ।”

33इ सुनिके उ सबेन्ह ईसू स पूछेन, “हम सब इब्राहीम क खानदान क अही अउर हम सबे आज तक केहू क गुलामी नाहीं कीन्ह। फिन तू कइसे कहत अहा कि तू पचे छुटकारा पाइ जाब्या?”

34ईसू ओनका इ जवाब दिहेस, “मइँ तोहसे सच्चाई का बखान करत अहउँ। जउन मनई पाप करत रहत ह, पाप क दास अहइ। 35अउर कउनो दास परिवार के साथे नाहीं रहि सकत। केवल पूत हमेसा परिवार क साथे रहत ह। 36इ बरे अगर पूत तोह सबन क छुटकारा देइ सकत ह, तउ तू पचे जरूर छुटकारा पाय जाब्या। मइँ जानत अहउँ तू इब्राहीम क खानदान क अह्या। 37मुला तू पचे मोरा मारि डावइ क कोसिस करत अहा। काहेकि तू पचे मोर उपदेस नाहीं मनत्या। 38मइँ उहइ बतावत अहउँ, जउन मोर परमपिता मोका देखॉएस अउर तू उहइ करत अहा। जउन तोहार पिता तोहका करइ क बताएस ह।”

39इ सुनिके उ पचे ईसू क जवाब दिहेन, “हमरे पिता इब्राहीम अहीं।”

ईसू कहेस, “जब तू इब्राहीम क सन्तान होत्या, तउ तू उहइ कारज करत्या जउन कारज इब्राहीम करत रहा। 40मुला तू पचे तउ मोर जइसे मनई का जउन परमेस्सर स सुनि सच्चाई का बतावत अहइ, मारि डावा चाहत अहा। इब्राहीम तउ अइसा कबहूँ नाहीं किहेस। 41तू पचे अपने पिता क काम करत अहा।”

फिन उ सबेन्ह ईसू स कहेन, “हम सबन उ सबइ गदेलन क तरह नाहीं जउन व्यभिचार क सरूप पइदा भएन ह। हमार केवल एक पिता अहइ, उ अहइ परमेस्सर।”

42ईसू ओनका जवाब दिहेस, “जदि परमेस्सर तोहार पिता होतइ तउ तू पचे मोका पियार करत्या, काहेकि मइँ ही

परमेस्सर क पास स आइ अहउँ। अउर अबहीं मइँ हियाँ अहउँ। मइँ अपने आप हियाँ नाहीं आइ बाटी, बल्कि मोका परमेस्सर भेजेस। **43**जउन कछू मइँ बतावत अहउँ ओका तू सबेन्ह काहे नाहीं समझत अहा? एकर कारण इ अहइ कि तू मोर उपदेस नाहीं स्वीकार करत अहा। **44**तू सबेन्ह अपने पिता सइतान क सन्तान अह्या अउर तू सबेन्ह अपने पिता क इच्छा प चलइ चाहत अहा। उ सुरुआतइ स एक हत्यारा रहा अउर सच्चाई क तरफदारी कबहूँ नाहीं करेस। काहेकि ओहमाँ सच्चाई क कउनो हिस्सा नाहीं रहा। जब उ झूठ बोलत ह तउ सहल भाव स बोलत ह, काहेकि उ झूठा अहइ अउर तमाम झूठ क पइदा करत ह। **45**मुला मइँ सच्ची बात कहत अहउँ, तू सबेन्ह इ बरे मोहमाँ बिसवास नाहीं करत अहा। **46**तोहरे मँ स कउन अइसा मनई अहइ जउन मोरे ऊपर लगावा पाप सिद्ध कइ सकत ह। जदि मइँ सत्य कहत अहउँ तउ तू मोर बिसवास काहे बरे नाहीं करत अहा? **47**जउन मनई परमेस्सर क अहइ, परमेस्सर क वचन क सुनत ह। तू सबेन्ह मोर बात नाहीं सुनत अहा, इ बरे कि तू सबेन्ह परमेस्सर क नाहीं अह्या।"

ईसू अपने बाबत अउर इब्राहीम क बाबत बताएस

48ईसू क बात क जवाब मँ यहूदियन ईसू स कहेन, "का हमार सबेन्ह क इ बात सच्ची न अहइ कि तू सामरी अह्या अउर तोहरे ऊपर कउनो दुस्ट आतिमा सवार अहइ?"

49ईसू जवाब दिहेस, "मोरे ऊपर कउनो दुस्ट आतिमा सवार नाहीं अहइ। मइँ तउ अपने परमपिता क आदर करित ह, मुला तू पचे मोर अपमान करत अहा। **50**मइँ आपन महिमा नाहीं चाहत अहउँ मुला एक ठु अइसा अहइ जउन मोर महिमा चाहत ह अउर निआव करत ह। **51**मइँ तोहका सच्ची बात कहत अहउँ कि जउन मनई मोरे उपदेस क अनुसरण करी उ मउत क कबहूँ न देखी।"

52इ सुनिके यहूदियन ओसे कहेन, "अब हम पचे जानि गए कि तोहरे अन्दर कउनो दुस्ट आतिमा समाइ गइ अहइ। हियाँ तक कि इब्राहीम अउर नबी दुइनउँ मरि गएन मुला तू कहत अहा कि जउन मनई तोहार उपदेस प चली ओकर कबहूँ मउत न होई। **53**एहमाँ कउनो सक नाहीं अहइ कि तू मोरे पिता इब्राहीम स बड़ा नाहीं अहा जउन कि मर गवा। अउ नबियन क मउत होइ गइ। मुला तू पता नाहीं का सोचत अहा? तू अह्या के?"

54ईसू जवाब दिहेस, "जदि मइँ अपनी महिमा क बखान करी, तउ ऊ मोर महिमा कछू न अहइ। जउन मोका महिमा देत ह, उ मोर परमपिता अहइ। जेकरे बारे मँ तू दावा करत अहा कि उ तोहार परमेस्सर अहइ। **55**तू पचे ओका कबहुँ नाहीं जनत्या। मुला मइँ ओका जानत अहउँ जब मइँ कहउँ कि मइँ भी ओका नाहीं जानत अहउँ तउ तोहरे सबेन्ह क तरह मइँ भी झूठा होइ जाब। मइँ ओका अच्छी तहर स जानित ही अउर जउन उ कहत ह ओका पालन करित ही। **56**तोहार पिता इब्राहीम इ जानिके कि उ अइसा दिन देखी जब मइँ आउब, तउ उ आनन्द स भरि भवा रहा: उ एका देखेस अउर बहुत खुस भवा।"

57फिन यहूदियन ओसे कहेन, "तू अबहीं पचास बरिस क भी नाहीं अहा अउर तू इब्राहीम क लखि लिहा।"

58ईसू एकरे जवाब मँ कहेस, "मँई तोहका सत्य बतावत अहउँ कि इब्राहीम स पहले भी मइँ रह्यो, मइँ अहउँ।" **59**इ सुनिके उ सबेन्ह ईसू क मारइ क बरे बड़ा बड़ा पाथर उठाइ लिहन मुला ईसू लुकत छिपत मन्दिर स चला गवा।

पैदाइसी आँधर क आँखी देब

9 जब उ सबेन्ह जात रहेन तउ उ एक ठु पैदाइसी आँधर मनई क देखेस। **2**इ देखि क ईसू क चेलन ओसे पूछेन, गुरु, इ मनई आँधर पैदा भवा ह मुला केकरे पाप क कारण उ आँधर भवा ह अपने पाप या अपने महतारी बाप क?"

3ईसू जवाब दिहेस, "न तउ इ कउनो पाप करे अहइ अउर न एकर महतारी बाप कउनो पाप करे अहइँ। इ एह बरे आँधर पैदा भवा अहइ जइसे कि एँका नीक कइके परमेस्सर क ताकत देखाई जा सकइ। **4**ओकर काम जउन मोका भेजे अहइ, दिन रहतइ कइ लेइ चाही, काहेकि जब रात होइ जाइ तउ कउनो काम नाहीं होइ पावत। **5**जब तलक मइँ इ दुनियाँ मँ अहइ तब तलक मइँ दुनिया क ज्योति अहउँ।"

6एँतना कहिके ईसू जमीन प थूकेस अउर ओसे थोरि क माटी सानेस ओका आँधर मनई क आँखी प मल दिहेस।

7अउर ओसे कहेस, "जा अउर सीलोह क पोखरा मँ धोइ आवा।" (सीलोह क मतलब अहइ "भेजा भवा।") अउर फिन उ आँधर जाइके आपन आँखी धोइ आवा। जब उ लौटा तउ ओका देखाँइ देइ लाग।"

8फिन ओकर पड़ोसी अउर उ लोग जउन ओका भीख माँगत देखत रहेन, कहेन, "का इ उहइ मनई अहइ जउन बइठे-बइठे भीख माँगत रहा?"

9कछू लोग कहेन, "इ उहइ अहइ।" दूसर लोग कहेन, "नाहीं, इ उ मनई न अहइ, उहइ क तरह देखाँत अहइ।" इ सुनिके आँधर मनई कहेस, "मइँ उहइ अहउँ।"

10इ देखिके उ सबेन्ह ओसे पूछेस, "तोहका आँखी क प्रकास कइसन मिली?"

11उ जवाब दिहेस, "ईसू नाउँ क एक मनई माटी सानके मोरी आँखी प मलेस अउ मोसे कहेस, जा अउर सीलोह मँ धोइ आवा अउर मइँ जाइके धोइ आएउँ। मोका उहइ वजह स आँखन क प्रकास मिल गवा।"

12फिन उ सबेन्ह ओसे पूछेन, "उ कहाँ अहइ?"

उ जवाब दिहेस, "मोका पता नाहीं अहइ।"

आँखी क दान क बावत फरीसियन मँ आपसी झगड़ा

13उ मनई जउन पहिले आँधर रहा, उ सबेन्ह ओका फरीसियन क पास लइ गएन। **14**जउने दिन ईसू, माटी सानके अँधरे क आँखी क प्रकास दिहे रहा। उ सबित क दिन रहा। **15**एँह तरह फरीसियन ओसे एक बार फिन पूछइ लागेन, "उ अपने आँखिन क प्रकास कइसे पाएस?"

उ बताएस, "उ मोरी आँखी प गीली माटी लेपेस अउर

मोसे कहेस, 'जा धोइ ल्या,' मइँ धोइ लीन्ह अउर अब देख सकित हउँ।"

16कछू फरीसी कहइ लागेन, "इ मनई परमेस्सर क तरफ स न अहइ, एह बरे कि इ सबित क पालन नाहीं करत।" एक क सुनिके दूसर मनई बोलेन, "कउनो पापी मनई भला ऍतना अद्‌भुत कारजन कइसे कइ सकत ह?" इ तरह स ओनके बीच मँ आपस मँ मतभेत होइ लाग।

17फिन यहूदी नेतन उ आँधर मनई स बोलेन, "ओकरे बाबत तू का कहत अहा? एह बरे कि तू जानत अहा कि उ तोका आँखी दिहे अहइ।"

तब उ कहेस, "उ नबी अहइ।"

18यहूदी नेतन ओह समइ तक ओकरे ऊपर बिसवास नाहीं करत रहेन, कि उ मनई आँधर रहा अउर ओकरे आँखिन का प्रकास मिल गवा। जब तक ओकरे महतारी बाप क बोलाइके 19उ पचे इ नाहीं पूछ लिहेन कि, "का इ तोहार बेटवा अहइ जेकरे बारे मँ तू कहत अहा कि वह आँधर रहा। फिन इ कइसे होइ सकत ह कि अब उ देख सकत ह?"

20इ सुनिके ओकर महतारी बाप जवाब देत कहेन, "हम जानित ह कि हमार बेटवा अहइ अउर हमार बेटवा पैदाइसी आँधर रहा। 21मुला हम इ नाहीं जानित कि अब उ कइसे देख सकत ह? अउर न तउ हम इ जानित थी कि एका आँखिन मँ प्रकास के दिहेस। अब इहइ स पूछा, इ काफी बड़ा होइ गवा अहइ। अपने बावत इ खुदइ बताय सकत ह।" 22ओकर महतारी बाप इ बात इ बरे कहे रहेन कि उ यहूदी नेतन स डेरात रहेन। काहेकि उ पहिले स निस्चय कइ चुका रहेन कि जउन मनई ईसू क मसीह मानी तउ ओका आराधनालय स निकार दीन्ह जाई। 23इ बरे ओकर महतारी बाप कहेन, "उ काफी बड़ा होइ गवा अहइ, उहइ स पूछा।"

24यहूदी नेतन उ मनई क जउन आँधर रहा दूसरी बार बोलाएन, अउर कहेन, "सही सही बोल, अउर जउन तू नीक होइ ग अहा ओकर महिमा परमेस्सर क द्या। हमका पता अहइ कि इ मनई पापी अहइ।"

25इ सुनिके उ जवाब दिहेस, "मइँ इ नाहीं जानित कि उ पापी अहइ कि नाहीं, मइँ तउ इहइ जानित ह कि मइँ आँधर रहेउँ अउर अब मइँ देख सकित ह।"

26इ सुनिके उ सबइ ओसे पूछेन, "उ तोहका का किहेस? उ तोहका कइसे आँखी दिहेस?"

27उ मनई ओन सबेन्ह क जवाब दिहेस, "मइँ तउ तोहका बताय चुका अहउँ मुला तू मोर बात सुनतइ नाहीं अहा। तू फिन स काहे उहइ बात सुना चाहत अहा? का तू ओकर चेलन बना चाहत अहा?"

28इहइ बात प उ पचे ओकर बेइज्जती करेन अउर कहेन, "तू ओकर चेला अहा अउर हम सबेन्ह मूसा क चेलन अही। 29हम सब जानित ही कि परमेस्सर मूसा स बतियात रहा, मुला हम सबेन्ह इ नाहीं जानित कि इ मनई कहाँ स आइ बाटइ?"

30एकर जवाब देत उ मनई ओनसे कहेस, "बड़ी अचरज की बात अहइ कि तू सबेन्ह इ नाहीं जानत अहा कि उ कहाँ स आइ बाटइ? मुला मोका आँखिन क प्रकास उहइ दिहेस। 31हम पचे जानित ह कि परमेस्सर पापियन क नाहीं सुनत, उ तउ ओनकइ सुनत ह जउन समर्पित अहइँ अउर उहइ परमेस्सर क जउन इच्छा रहत ह, उहइ करत ह। 32आज तलक इ कबहूँ सुना नाहीं ग रहा कि कउनो आँधरे मनई क कहूँ आँखी क प्रकास दिहे रहा। होइ। 33जब मनई परमेस्सर क तरफ स नाहीं आइ अहइ तउ उ इ सब कछू नाहीं कइ सकत।"

34ऍकरे जवाब मँ उ सबइ कहेन, "तू हमेसा स पापी रह्या, जब स तोहार जनम भवा। अउर आज तू हम सबका सिखावइ चला अहा?" इ कहिके यहूदी नेतन ओका धकियाइके बाहेर निकार दिहेन।

आतिमा का आँधर होब

35ईसू इ सुनेस कि यहूदी नेतन ओका धकियाइके बाहर निकार दिहेन तउ ओसे मिलके उ कहेस, "का तू मनई क पूत मँ बिसवास करत ह?"

36एकरे जवाब मँ उ मनई बोला, "हे प्रर्भू, इ बतावा कि मनई क पूत कउन अहइ? इ बरे कि मइँ ओकरे मँ बिसवास करइ लागाऊँ!"

37ईसू ओहसे कहेस, "तू ओका लखि चुका अह अउर उ उहइ मनई अहइ जेहसे तू इ समइ बात करत अहा।"

38फिन उ कहेस, "पर्भू, मइँ बिसवास करित हउँ!" अउर उ फिन ओकरे सामने ओनके गोड़वा पइ गिर गवा।

39ईसू कहेस, "मइँ इ दुनिया मँ निआव करइ क बरे आइ अहउँ, जइसे कि जउन देखि नाहीं सकत अहइँ, उ देखइ लागइँ अउर जउन देखत अहइँ, उ सबइ आँधर होइ जाइँ।"

40कछू फरीसी जउन ईसू क साथे रहेन, इ सुनिके ईसू स कहेन, "हम सब जरूर आँधर नाहीं अही। का हम पचे आँधर अही?"

41ईसू ओनसे कहेस, "जदि तू आँधर होत्या तउ तू पापी न होत्या मुला जइसे तू सबेन्ह कहत अहा कि देख सकत अहा, इ बरे तू सबेन्ह जरूर पापी अहा।"

चरवाहा अउर ओकर भेड़ी

10 ईसू कहेस, मइँ तोहसे सच्ची बात बतावत अहउँ कि जउन मनई भेड़िन क बाड़े मँ दरवाजा स न घुसिके कउनो अउर रस्ते स घुसत ह तउ, उ चोर अहइ, लुटेरा अहइ। 2मुला जउन मनई दरवाजे स घुसत ह, उ भेड़िन क चरवाहा अहइ। 3दरवाजे क रखवाला ओकरे बरे दरवाजा खोल देत ह, अउर भेड़न क ओकर आवाज सुनत हीं। अपनी भेड़िन क नाउँ लेइ लेइ पुकारत ह अउर ओनका बाड़े स बाहर निकारत ह। 4जब उ आपन सब भेड़ निकार लेत ह तउ ओनके आगे-आगे चलत ह अउर भेड़िन सब ओका पिछुआय लेति हीं, काहेकि उ ओकर आवाज पहिचानात हीं। 5भेड़ कबहूँ कउनो अजनबी मनई क नाहीं पिछुआय लेतिन। ओसे उ दूर भागत हीं, काहेकि उ अजनबी क आवाज नाहीं पहिचनतिन।" 6ईसू नजीर देइके

ओनका सबका समझावा चाहत रहा, मुला ओन सबकी
समझ मँ इ बात नाहीं आइ कि ईसू ओनका बतावत अहइ।

ईसू नीक चरवाहा

7तब ईसू ओनसे फिन कहेस, "मइँ तोहका सच्ची सच्ची
बात बतावत अहउँ, कि भेड़िन क बरे दरवाजा मइँ अहउँ।
8उ सबेन्ह जउन मोसे पहिले आइ रहेन, चोर अउर लुटेरा
अहइँ। मुला भेड़िन ओनके बात नाहीं सुनिन। 9मइँ दरवाजा
अहउँ। जदि कउनो मोसे होइके भीतर घुसइ चाहत ह, तउ
ओकर बचाव होई, उ अन्दर जाइ सकत ह अउर बाहर जाइ
सकत ह अउर ओका चारागाह मिल जाई। 10चोर केवल
चोरी करइ क बरे, कतल करइ क बरे अउर सत्यानास
करइ क बरे आवत ह। मुला मइँ इ बरे आइ अहउँ कि
सब मनई भरपूर जिन्नगी पाइ सकइँ। 11मइँ अच्छा चरवाहा
अहउँ। नीक चरवाहा भेड़िन क बरे आपन जान तक देइ देत
ह। 12मुला जउन केराए क मजदूर होत ह, उ चरवाहा न
होइ क कारण, भेड़िया क आवत देखिके भेड़िन क छाँड़िके
भाग जात ह, काहेकि उ भेड़ ओकर तउ रहत नाहीं।
भेड़िया ओनके ऊपर हमला कइके ओनका छितराय देत ह।
13इ बरे भाग जात ह, काहेकि उ रोजमर्रा की मजूरी पर
काम करत ह अउर ओका भेड़िन क गिन क कउनो परवाह
नाहीं रहत।

14-15"मइँ नीक चरवाहा अहउँ। आपन भेड़िन क मइँ
जानित ह अउर मोर भेड़िन मोका वइसे जानत हीं, जइसे
परमपिता मोका जानत ह अउ मइँ परमपिता क जानित ह।
अपनी भेड़िन क बरे मइँ आपन जान दइ देइत हउँ। 16मोर
अउर भेड़िन अहइँ जउन इ बाड़ा क न अहीं। मोका ओनहूँ
क लियावइ क अहइ। ओनहूँ मोर आवाज सुनिहइँ अउर
इहइ बाड़ा मँ आइके एकट्ठी होइ जइहीं। फिन एक भेड़िन
क समूह क एक चरवाहा रही। 17परमपिता मोसे इहइ बरे
पिरेम करत ह काहेकि मइँ आपन जान देइ देइत ह। मइँ
आपन जिन्नगी इ बरे दइ देइत ह जइसे मइँ एका फिन पाइ
जाई। कउनो हमसे ऍका लइ नाहीं लेत 18मइँ खुदइ अपनी
इच्छा स ऍका दइ देइत ह। मोका ऍका फिन वापस लेइ क
अधिकार भी अहइ। इ आदेस मोका परमपिता स मिला
अहइ।"

19एन सब्दन सुनिके यहूदियन मँ फिन स फूट पैदा होइ
गइ। 20बहुत इ कहइ लागेन, "इ तउ पगलाइ गवा अहइ।
एकरे ऊपर कउनो बुरी दुस्ट आतिमा सवार अहइ। तू सबेन्ह
काहे बरे एका सुनत अहा।"

21दूसर कछू मनई कहइ लागेन, "इ सब्दन अइसे मनई
क नाहीं होइ सकत जेकरे ऊपर दुस्ट आतिमा सवार होइ।
कउनो दुस्ट आतिमा कबहूँ कउनो आँधर क आँखी नाहीं दइ
सकत।"

यहूदियन ईसू क विरोध करत हीं

22फिन यरूसलेम मँ समर्पण क त्यौहार* आइ गवा।
जाड़ा का दिन रहा। 23ईसू मन्दिर मँ सुलैमान क दलान मँ
ठहरत रहा। 24उहइ समइ यहूदियन ओकाा घेर लिहेन अउर
कहेन, "तू हमका सबेन्ह का कब तलक परेसान करत
रहब्या? जदि तू मसीह अह्या तउ साफ साफ बतावा।"

25ईसू जवाब दिहेस, "मइँ तोहका बताइ चुका अहउँ
अउर तू बिसवास नाहीं करत अहा। उ सबइ काम जउन मइँ
पिता क नाउँ प करत अहउँ, खुदइ मोर साच्छी अहइँ।
26मुला तू सबेन्ह बिसवास नाहीं करत अहा, काहेकि तू पचे
मोरी भेड़िन मँ स न अह्या। 27मोर भेड़ मोर आवाज
पहिचानत हीं अउर मइँ ओनका जानित अहउँ। उ सबइ मोरे
पीछे पीछे चलत हीं अउर मइँ ओनका पहिचानित ह। 28उ
सबइ मोरे पीछे पीछे चलत थीं अउर मइँ ओनका अनन्त
जीवन देइत ह। ओनकइ कबहूँ नास नाहीं होतइ, अउर न
तउ केहू ओनका मोसे छीन पाई। 29मोर परमपिता ओन
सबन क दिहे अहइ, जउन सबसे महान अहइ। ओनका मोरे
परमपिता स कउनो भी नाहीं छीन सकत। 30मोर परमपिता
अउर मइँ दुइनउँ एक अही।"

31फिन यहूदियन ईसू क मारइ क बरे पाथर उठाइ
लिहन। 32ईसू ओनसे कहेस, "अपने परमपिता क तरफ स
मइँ तू पचे क बहुत नीक नीक कारज देखाएउँ। ओहमाँ स
कउने काम क एवज मँ तू सबेन्ह मोका पत्थर मारइ चाहत
अहा?"

33यहूदियन जवाब दिहेन, "हम पचे तोहरे ओन सभी नीक
काम बरे पाथर नाहीं मारत अही, मुला इ बरे अइसा करत
अही कि तू परमेस्सर क अपमान करे अहा अउर मनई होत
भए खुदइ क परमेस्सर कहत अहा।"

34ईसू जवाब दिहेस, "का इ तोहरे व्यवस्था मँ नाहीं
लिखा अहइ, 'मइँ कहेउँ कि तू सब जने परमेस्सर
अह्या?'* 35का हियाँ परमेस्सर ओनका नाहीं कहा ग
अहइ जेनका परमेस्सर क सन्देस मिल चुका बाटइ? (अउर
पवित्तर सास्तर क बात काटी नाहीं जाइ सकत) 36का तू
परमेस्सर क अपमान करत अहा ओकरे बरे कहत अहा,
जेका परमपिता इ दुनिया मँ अर्पण कइके भेजे अहइ, केवल
इ बरे कि मइँ इ कहेउँ, 'मइँ परमेस्सर क पूत अहउँ?"
37जदि मइँ अपने परमपिता क कारज नाहीं करत अहउँ तउ
मोर बिसवास जिन करा, 38मुला जदि मइँ अपने परमपिता
क कारज करत अहउँ, अउर तू मोर बिसवास नाहीं करत
अहा, तउ मोरे कारण बिसवास करा जइसे कि तू इ जानि
सका कि पिता मोरे अन्दर अहइ अउर मइँ अपने पिता मँ
अहउँ।" 39इ सुनि क यहूदी एक बार फिन ओका बन्दी
बनावइ क कोसिस किहेन मुला ईसू ओनके हाथ स निकरि
गवा।

40ईसू फिन हुआँ स हट कर यरदन क दूसरे पार उ
जगह चला गवा जहाँ प यूहन्ना बपतिस्मा देत रहा। ईसू
हुवाँ ठहरा, 41तमाम मनई ओकरे पास आएन अउर कहइ
लागेन, "यूहन्ना कउनो अद्भुत कारज नाहीं करेस मुला इ
मनई क बारे मँ जउन कछू कहे रहा, उ बिल्कुल सही
निकरा।" 42फिन हुवाँ तमाम मनई ईसू मँ बिसवास करइ
लागेन।

समर्पण क त्यौहार समर्पण क त्यौहार दिसम्बर क एक ठु खास
हफ्ता जेका यहूदी मानत हीं।

'मइँ ... अह्या ' भजन. 82:6

लाजर क मउत

11 बैतनिय्याह क लाजर नाउँ क एक ठु मनई बीमार रहा। इ उहइ सहर रहा जहाँ प मरियम अउर ओकर बहिन मार्था रहत रहिन। 2(मरियम उ स्त्री रही जउन पर्भू क ऊपर इतर डाए रही अउर अपने मूँड़े क बारे स ओकर गोड़ पोंछे रही। लाजर नाउँ क रोगी ओकर भाई रहा।) 3इ बहिनियन ईसू क लगे समाचार भेजे रहिन, "पर्भू, जेहिका तू मया करत अहा उ बीमार अहइ।"

4ईसू जब इ सुनेस तउ बोला, "इ बीमारी जान लेवा नाहीं अहइ। इ तउ परमेस्सर क महिमा परगट करइ क बरे अहइ। इहइ स परमेस्सर क पूत क महिमा मिली।" 5(ईसू मार्था ओकर बहिन अउर लाजर क पियार करत रहा) 6इ बरे जब उ सुनेस कि लाजर बीमार होइ गवा अहइ, तब जहाँ उ ठहरा रहा, हुवाँ दुइ दिन अउर रुक गवा। 7फिन ईसू अपने चेलन स कहेस, "आवत जा हम सब यहूदिया लौटि चली।"

8इ सुनिके ओकर चेलन कहेन, "गुरु कछू दिन पहेल यहूदी नेता तोहरे ऊपर पथराव करइ क कोसिस करे रहेन अउर तू फिन हुवाँ जात अहा?"

9ईसू जवाब दिहेस, "का एक दिन मँ बारह घंटा नाहीं होतेन। जब कउनो मनई दिन क रोसनी मँ चलत ह तउ उ ठोकर नाहीं खात, काहेकि उ इ दुनिया क रोसनी क देखत ह। 10मुला जदि कउनो रात मँ चलत ह तउ ठोकर खाइ क गिर जात ह, काहेकि रोसनी नाहीं रहत।"

11उ फिन इ कहेस अउर ओनसे बोला, हमार मीत लाजर अबहीं सोवत अहइ मुला मइँ ओका जगावइ जात अहउँ।" 12फिन ओकर चेलन ओसे कहेन, "पर्भू, जदि ओका नींद आइ ग अहइ तउ उ नीक होइ जाई।"

13ईसू लाजर क मउत क बाबत बतावत रहा मुला ओकर चेलन सोचेन कि उ प्राकृतिक नींद क बारे मँ कहत बाटइ। 14इ बरे ईसू ओनसे साफ साफ कहेस, "लाजर मरि गवा अहइ। 15मइँ तोहरे बरे खुस अहउँ कि मइँ हुवाँ नाहीं रहेउँ। इ बरे कि अब तू पचे मोरे मँ बिसवास करि सकत ह। आवा अब हम ओकरे पास चली।" 16फिन थोमा, जेका लोग दिदुमुस कहत रहेन, दूसरे चेलन स कहेस, "आवा हमहूँ सबइ पर्भू क पास चली जइसे कि हमहूँ सबे उहइ क साथे मर सकी।"

बैतनिय्याह मँ ईसू

17इ तरह स ईसू चला गवा अउर हुवाँ जाइके उ पाएस कि लाजर क कब्र मँ रखे चार दिन होइ चुका रहेन। 18(बैतनिय्याह यरूसलेम स करीब तीन किलोमीटर दूर रहा।) 19भाई क मउत पर मार्था अउर मरियम क तसल्ली दियावइ क बरे अउर तमाम यहूदी नेता आवा रहेन।

20जब मार्था सुनेस कि ईसू आवा अहइ तउ उ ओसे मिलइ क बास्ते गइ। जबकि मरियम घरे मँ रुकी रही 21हुआँ जाइके तब मार्था ईसू स कहेस, "पर्भू, जदि तू हियाँ होत्या तउ मोर भाई न मरत। 22मुला मइँ जानत अहउँ कि तू अबहूँ अगर परमेस्सर स जउन कछू मँगब्या, उ तोहका देई।"

23ईसू ओसे कहेस, तोहार भाई जी उठी।"

24मार्था ओसे कहेस, "मइँ जानित ह कि पुनरुत्थान क आखिरी दिन लोग जिवावा जइहीं।"

25ईसू ओसे कहेस, "मइँ पुनरुत्थान अहउँ मइँ जीवन अहउँ जउन मनई मोहमाँ बिसवास करत ह, जी उठी। 26अउर उ मनई जउन जियत ह अउर मोहमाँ बिसवास करत ह, कबहूँ न मरी। का तू एँहमा बिसवास करति अहा?"

27उ ईसू स बोली, "हाँ पर्भू, मइँ बिसवास करित ह कि तू मसीह अह्या, उहइ परमेस्सर क पूत, जउन इ दुनिया मँ आवइवाला रहा।"

ईसू रोय दिहेस

28फिन एँतना कहिके उ हुवाँ स चली गइ अउर अपने बहन क अकेले मँ बोलाइके बोली, "गुरु हियाँ अहइ, अउर तोहका बोलावत अहइ।" 29जब मरियम इ सुनेस तउ उ तुरन्त उठिके ओसे मिलइ क चलि दिहेस। 30ईसू अबहुँ तलक गाँव मँ नाहीं आवा रहा। अबहीं उ उहइ जगह रहा जहाँ मार्था ओसे मिली रही। 31फिन जउन यहूदी घरे प ओका तसल्ली देत रहेन, जब मरियम क झटपट उठिके जात देखेन तउ इ सोचेन कि उ कब्र प रोवइ क बरे जात अहइ, इ बरे उ पचे ओकरे पीछे चल दिहेन। 32मरियम जब हुवाँ पहुँची, जहाँ ईसू रहा तउ ईसू क देखिके ओकरे गोड़े प गिर पड़ी अउर बोली, "पर्भू जदि तू हियाँ होत्या तउ मोर भाई न मरत।"

33ईसू जब ओका अउर ओकरे साथ आए रहेन यहूदियन क रोअत चिल्लात देखेस तउ ओकर आतिमा तड़पइ अउर उ बहुत ब्याकुल होइ लाग। उ बहुत घबराइ गवा। 34अउर बोला, "तू ओका कहाँ रखे अहा? उ पचे ओसे बोलेन्ह, "पर्भू आवा अउर देखा।" 35ईसू क फूटि फूटिके रोवइ लाग।

36इ देखिके यहूदी कहइ लागेन, "देखा! इ लाजर क बहोत पियार करत ह!"

37मुला ओहमाँ स कछू लोग कहेन, "इ मनई जउन आँधरे क आँखी दिहेस, का लाजर क मरइ स बचाइ नाहीं सकत?"

ईसू लाजर क फिन जिआइ दिहेस

38तउ ईसू अपने मन मँ एक दाईं फिन विचलित होइ गवा अउर कब्र कइँती गवा। उ एक गुफा रही अउर ओकर दरवाजा एक ठु चट्टान स ढका रहा। 39ईसू कहेस, "इ चट्टान क हटावा।"

जउन मनई मरा रहा, ओकर बहिन मार्था कहेस, "पर्भू अब तलक तउ हुवाँ स गन्ध आवइ लाग, काहेकि ओका दफनाए चार दिन होइ गएन।"

40ईसू ओसे कहेस, "का मइँ तोह स कहे नाहीं कि जदि तू बिसवास करबू तउ परमेस्सर क महिमा का दर्सन पउबू।"

41तउ उ पचे उ चट्टान क हटाय दिहेन। अउर ईसू आपन आँखी ऊपर उठाइके कहेस, "परमपिता, मइँ तोहार धन्यबाद करत अहउँ, इ बरे कि तू मोर सुनि लिहा।

42मइँ जानित ह कि तू हमेसा मोर बात सुनि लेत ह मुला मइँ हियाँ चारिउँ तरफ इकट्ठा भीड़ स कहे अही जइसे लोग बिसवास कइ लेइ कि मोका तू भेजे अहा।" 43इ कहिके उ बड़े जोर की आवाज दइके बोलाएस, "लाजर बाहर आइ जा!"

44उ मनइ जउन मरि ग रहा, बाहर आइ गवा। ओकर हाथ गोड़ अबहुँ तक कफन स बंधा रहेन। ओकर मुँह कपरा स लिपटा रहा।

ईसू ओन लोगन स कहेस, "एका खोल द्या अउर जाइ द्या।"

यहूदी नेतन क जरिए ईसू क मारि डाइ क साजिस

(मत्ती 26:1-5; मरकुस 14:1-2; लूका 22:1-2)

45एकरे बाद मरियम क साथ आए यहूदियन मँ स तमाम ईसू क इ काम देखिके ओह प बिसवास करइ लागेन। 46मुला ओहमाँ स कछू फरीसियन क लगे गएन अउर जउन कछू ईसू करे रहा, ओनका बताएन। 47फिन मुख्याजकन अउर फरीसियन यहूदी महासभा क बैठक बोलाएन अउर कहेन, "हमका सबेन्ह क अब का करइ चाही? इ मनई बहुत अद्भुत कारजन देखॉवत अहइ। 48अगर हम पचे एका अइसे करइ देब तउ ओकरे ऊपर सब बिसवास करइ लगिहइँ अउर इ तरह स रोमी लोग हियाँ आइ जइहीं अउर इ तरह स रोमी लोग हियाँ आइ जइहीं अउर हमरे मन्दिर क अउर हमरे देस क बरबाद कइ देई।"

49मुला उ साल क मुख्ययाजक काइफा ओनसे कहेस, "तू पचे कछू नाहीं जानत अह। 50अउर तोहका सबेन्ह क इहउ समझ नाहीं अहइ कि इहइ करइ मँ तोहार फायदा अहइ, अपनी सारी जात क बचावइ क बरे सबके फायदे क बरे एक मनई क मारइ क होई।"

51इ बात उ अपनी तरफ स नाहीं कहे रहा, मुला उ साल क मुख्ययाजक होइ क नाते इ भविस्सबाणी किहे रहा कि ईसू यहूदी रास्ट्र क बरे मरइ जात अहइ, 52केवल यहूदी रास्ट्र क बरे नाहीं बल्कि परमेस्सर क सन्तान क बरे जउन तितर-बितर अहइ ओनका इदट्ठा करइ क बदे।

53इ तरह स उही दिन स उ पचे ईसू क मारइ क साजिस करइ लागेन। 54ईसू फिन यहूदियन क बीच मँ खुलके नाहीं आवा अउर यरूसलेम छोड़के उ निरजन रेगिस्तान क लगे इफ्राईम सहर जाइके अपने चेलन क साथे रहइ लाग।

55यहूदियन क फसह क त्यौहार आवइवाला रहा। तमाम मनई अपने अपने गाँव स यरूसलेम चला गएन, जइसे कि फ़सह क त्यौहार क पहले खुद क पवित्तर कइ लेइँ। 56उ पचे ईसू क खोजत रहेन। इ बरे जदि उ सबेन्ह मन्दिर मँ खड़ा रहेन तउ आपस मँ एक दूसरे स पूछब, सुरु करेन्ह, "तू सबेन्ह का सोचत अहा, का उ इ त्यौहार मँ न आई?" 57फिन मुख्ययाजकन अउर फरिसियन इ आदेस दिहेन कि कउनो क एकर पता लगावा जाइ कि क कउनो जानत ह कि ईसू कहाँ अहइ, तो उ बताइ देइ, जेहसे कि उ ओका बन्दी बनाइ सकइँ।

ईसू बैतनिय्याह मँ अपने दोस्तन क साथ

(मत्ती 26:6-13; मरकुस 14:3-9)

12 फसह क त्यौहार क छ: दिन पहले ईसू बैतनिय्याह कइँती चल दिहेस। हुवाँ लाजर रहत रहा जेहिका ईसू मरे स जिआइ दिहे रहा। 2हुवाँ ईसू क बरे उ पचे खाना बनवाएन। मार्था ओका खाना परोसेस। ईसू क साथे खाना खाइवालेन मँ लाजर सामिल रहा। 3मरियम जटामॉसी स बनावा आधा आधा लीटर मँहगा इतर ईसू क पैर मँ लगाएस अउर अपने बालन स ओकर पैर पोंछेस। समूचा घर महकइ लाग। 4ओकरे चेलन मँ एक यहूदा इस्करियोती रहा, जउन ओका धोखा देइवाला रहा, उ कहेस, 5"इ तरह क 300 चाँदी क सिक्कन मँ बेच के गरीबन क पइसा काहे नाहीं दीन्ह गवा?" 6ओका गरीबन क कउनो चिन्ता नाहीं रही, इ बरे उ अइसी बात नाहीं कहेस मुला उ खुदइ चोर रहा अउर रूपियन क थैली हमेसा ओकरे पास रहत रही। ओहमाँ जउन रुपिया डावा जात रहा, उ उहइ मँ स चोराइ लेत रहा।

7तउ ईसू कहेस, "रहइ द्या। ओका छाँड़ि द्या। उ आज इ सब मोका गाड़े जाइ क तैइयारी क वास्ते करेस। 8गरीब लोग तउ हमेसा तोहरे साथे रहिहीं मुला मइँ तोहरे साथे हमेसा न रहब।"

लाजर क खिलाफ साजिस

9फसह क त्यौहार प आए यहूदियन क तमाम भीड़ क जब पता चला कि ईसू बैतनिय्याह मँ अहइ तउ ओसे मिलइ चल दिहेस। उ भीड़ केवल ईसू स मिलइ क बरे नाहीं आइ रही, मुला लाजर क देखइ क बरे आइ रही। लाजर क मरइ क बाद ईसू फिन जीवित कइ दिहेस रहा। 10इही बरे मुख्ययाजकन लाजर क भी मारइ क तरकीब सोचइ लागेन। 11काहेकि ओहि क कारण तमाम यहूदी जनता अपने अपने नेता क छोड़िके ईसू मँ बिसवास करइ लाग।

ईसू क यरूसलेम मँ जाब:

(मत्ती 21:1-11; मरकुस 11:1-11; लूका 19:28-40)

12दूसरे दिन फ़सह क त्यौहार प आई भीड़ जब इ सुनेस कि ईसू यरूसलेम आवत अहइ तउ 13लोग खजूर क टहनी लइके ओसे मिलइ चल पड़ेन। उ पचे गोहरावत रहेन,

"होसन्ना! धन्य अहइ उ जउन पर्भू क नाउँ स आवत ह,
उ जउन इस्राएल क राजा अहइ।"

भजन संहिता 118:25-26

14तब ईसू क एक गदहा मिला अउर उ ओकरे ऊपर चढ़ि लिहेस। जइसा कि पवित्तर सास्तर मँ लिखा अहइ:

15"सिय्योन क पुत्री डेराअ जिन! देखा! तोहार राजा गदहे क बच्चा प बइठके आवत अहइ।" *जकर्याह 9:9*

16पहिला तउ ओकर चेलन ओकरे व्यवहार क नाहीं समझ पाएन्ह लेकिन जब ईसू क महिमा परगट भइ तउ

समुझ पाएन कि सास्तर मँ ओकरे बारे मँ सब बात लिखी
रहिन अउर तमाम मनई क ओकरे बार मँ अइसा बरताब
रहा।

ईसू क बावत लोगन क बतिआब

17ओकरे साथ जउन भीड़ रही, उ इ साच्छी दिहेस कि
उ लाजर क कब्र स बोलाइके मरे स फिन जिआइ दिहेस।
18तमाम लोग ओसे मिलइ क बरे इहइ बरे आइ रहेन
काहेकि उ पचे सुने रहेन कि इ अद्भुत कारज करइवाला
उहइ अहइ। 19तउ फरीसी आपुस मँ कहइ लागेन, "सोचा
तू सबेन्ह कछू नाहीं कइ पावत अहा अउर देखा पूरी दुनिया
ओकरे पीछे पड़ गइ अहइ।"

मउत क बावत ईसू क बताउब

20फसह क त्यौहार प यरूसलेम मँ आराधना करइवालेन
मँ कछू यूनानी रहेन। 21उ सबेन्ह गलील मँ बैतसैदा क
रहइवाले फिलिप्पुस क लगे गएन अउर ओसे विनती करत
भए कहइ लागेन, "महासय, हम पचे ईसू क दर्सन करइ
चाहत अही।" तउ फिलिप्पुस आइके अन्द्रियास स बाताएस।
22फिन अन्द्रियास अउर फिलिप्पुस ईसू क पास आइके
कहेन।

23ईसू ओनका जवाब दिहेस, "मनई क पूत क महिमावान
होइ क समइ आइ ग बाटइ। 24मइँ तोहसे सही सही
बतावत अहउँ कि जब तलक गोहूँ क एक दाना जमीन प
गिरके मर नाहीं जात, तब तक उ एकइ रहत ह, मुला जब
उ मरि जात ह तउ अनगिनत दानन क पइदा करि देत ह।
25जेका आपन जिन्नगी पियारी अहइ उ ओका खोइ देइ,
मुला जेका इ दुनिया मँ अपनी जिन्नगी स पिरेम नाहीं अहइ,
उ एँका अनन्त जीवन क वास्ते रखे रही। 26जदि कउनो
मोरी सेवा करत ह तउ जरूर मोर पाछा करत ह अउर जहाँ
मइँ अही, हुवाँ मोर सेवक भी रही। जब कउनो मोर सेवा
करत ह तउ परमपिता ओकर सम्मान करी।

ईसू अपनी मउत क तरफ इसारा किहेस

27"अब मोर जिअरा घबरात अहइ। मइँ का कहउँ, हे
परमपिता, मोका दु:ख क इ घड़ी स बचावा? मुला इहइ
समइ क बरे तउ मइँ आइ अहउँ। 28हे परमपिता, अपने
नाम क महिमा द्या!"

तउ आकासवाणी भइ, "मइँ एकर महिमा किए अहउँ
अउर मइँ फिन एँकर महिमा करब।"

29तउ हुवाँ मौजूद भीड़, जउन एक सुने रहेन, कहइ लाग
कि कउनो बादर गरजा बाटइ। दूसर इ कहइ लागेन,
"कउनो सरगदूत ओसे बतिआन ह।"

30एँकरे जवाब मँ ईसू कहेस, "इ आकासबाणी मोरे बरे
नाहीं भइ, इ तोहरे बरे भइ रही। 31अब इ दुनिया क
निआव क समइ आइ ग बाटइ। अब इ दुनिया क सासक
(हियाँ प मतलब अहइ सइतान) क निकार दीन्ह जाई।
32अउर जब मइँ धरती क ऊपर उठाइ लीन्ह जाबइ तउ
फिन सब लोगन क अपनी ओर खींचब।" 33उ इ बतावइ
क बरे अइसा कहत रहा कि उ कइसी मउत मरइ जात
अहइ।

34इ सुनिके भीड़ ओका जवाब दिहेस, "हम पचे व्यवस्था
क इ बात सुने अही कि मसीह हमेसा रही। इ बरे तू कइसे
कहत अहा, 'मनई क पूत क जरूर स ऊपर उठाइ लीन्ह
जाई?' इ 'मनइ क पूत कउन अहइ?" 35तउ ईसू ओनसे
कहेस, "तोहरे बीच मँ ज्योति अबे कछू समइ अउर रही।
जब तक ज्योति अहइ, चलत रहा, जइसे कि अँधियारा
(पाप) तोहका घेर न लेइ, काहेकि जउन मनई अँधेरे मँ
चलत ह, उ इ नाहीं जानत कि कहाँ जात अहइ। 36जब
तक ज्योति तोहरे लगे अहइ, ओहमाँ बिसवास बनाए रखा
जइसे कि तू पचे ज्योति क सन्तान होइ सका।" ईसू इ
कहिके कहूँ चला गवा अउर ओनसे छिप गवा।

यहूदी क ईसू मँ बिसवास न करब

37ईसू ओनके सबके सामने तमाम अद्भुत कारजन परगट
किहेस मुला उ पचे ओकरे मँ बिसवास नाहीं किएन्ह
38जइसे कि नबी यसायाह क कहब सही होइ सकइ,

"पर्भू, मोरे संदेस प कउन बिसवास किहे अहइ?"
काहेकि ऊपर पर्भू क ताकत केह पइ परगट भइ अहइ?"
यसायाह 53:1

39इहइ बरे उ सब बिसवास नाहीं कइ सकेन। काहेकि
यसायाह फिन केह रहा,

40"उ ओनकइ आँखी आँधर अउर ओनकइ हिरदइ
कठोर बनाएस जइसे, उ पचे अपनी आँखी स देख न सकइँ
अउर बुद्धि स समझ न पावइँ अउर मोरी कइँती न मुड़इँ,
जइसे कि मइँ ओनका चंगा न कइ पाई।" *यसायाह 6:10*

41यसायाह अइसा इ बरे कहे रहा, काहेकि उ ओकर
महिमा देखे रहा अउर ओकरे बारे मँ बतियान भी रहा।

42तबहूँ तमाम लोग अइसे रहेन, जेहिमाँ तमाम यहूदी
नेतन रहेन जे ओहमाँ बिसवास किएन्ह। मुला फरीसियन क
डर क मारे अपने बिस्वास क खुलासा नाहीं किएन्ह, नाहीं
तउ ओनका सबेन्ह क पराथना क जगह स निकारि देइ क
डर रहा। 43ओनका सबेन्ह क मनई क दीन्ह सम्मान
परमेस्सर क दीन्ह सम्मान स जियादा अच्छा लागत रहा।

ईसू क उपदेस प मनई क निआव होई

44ईसू बोलाँइके जोर स कहेस, "उ जउन मोरे मँ
बिसवास करत ह, उ मोरे मँ नाहीं, बल्कि ओकरे मँ
बिसवास करत ह जउन मोका भेजेस। 45अउर जउन मनई
मोका देखत ह, उ ओका देखत ह जउन मोका भेजेस।
46मइँ दुनिया क रोसनी क तरीके स आवा जइसे कि जउन
मनई मोरे मँ बिसवास करत ह, उ अँधेरे मँ न रहइ।

47"जदि कउने मनई मोरे बात सही सुनिके ओका नाहीं
मानत तबहुँ मइँ ओका अपराधी ठहरावइ क बरे नाहीं आइ
अही, मइँ तउ दुनिया क उद्धार क वास्ते आइ अही।
48जउन मनई मोका नाहीं मानत अउर हमरी बातन क नाहीं

मानत, ओकरे बरे एक अहइ जउन ओकर निआव करी। उ
उहइ अहइ, अपनी बातन स जेहिका मइँ उपदेस दीन्ह।
आखिरी दिन उहइ ओकर निआव करी। 49काहेकि मइँ
अपनी तरफ क कछू नाहीं कहे अही, मइँ परमपिता
(परमेस्सर) क आदेस क पालन करत अही, जउन मोका
भेजेस, उ मोका बताए अहइ कि मइँ का उपदेस देइ।
50अउर मइँ जानित ह कि ओकरे आदेस क मतलब अहइ
अनन्त जीवन। इ बरे जउन मइँ बोलित हउँ, उहइ क ठीक
उहइ अहइ जउन परमपिता मोसे कहे अहइ।"

ईसू अपने चेलन क गोड़ धोएस

13 फसह क त्यौहार क पहिले ईसू देखेस कि इ दुनिया
क छोड़इ अउर परमपिता क पास जाइ क ओकर
समइ आइ गवा अहइ तउ इ दुनिया मँ जउन आपन रहेन
अउर जेका उ पिरेम करत रहा, ओनके ऊपर उ बहुत
जियादा पिरेम देखॉएस।
2संझा क खाना खावा जात रहा। सइतान अब तलक
समौन क बेटवा यहूदा इस्करियोती क मन मँ इ डाइ चुका
रहा कि उ ईसू क धोखे स पकड़वाइ देइ। 3ईसू इ जानत
रहा कि परमपिता सब चीज ओकरे हाथन मँ सौंप दिहे अहइ
अउर परमेस्सर स आवा बाटइ, अउर परमेस्सर क पास
वापस जात अहइ। 4इ बरे उ खाना छोड़के ठाढ़ होइ गवा।
उ आपन ऊपर क सब कपरा उतार दिहेस अउर एक ठु
अँगौछा अपने चारों तरफ लपेट लिहेस। 5फिन एक ठु घड़ा
मँ पानी भरेस अउर अपने चेलन क पाँव धोअइ लाग अउर
जउन अँगौछा लपेटे रहा, उहइ स सबकइ पाँव पोंछइ
लाग।
6फिन जब उ समौन पतरस क लगे पहुँचा तउ पतरस
ओसे कहेस, "पर्भू, का तू मोरे पाँव धोअइ आवत अहा?"
7एॅकरे जवाब मँ ईसू कहेस, "अबहीं तू नाहीं जानत अहा
कि मइँ का करत अही, बाद मँ तू जान जाब्या।" 8परतस
ओसे कहेस, "तू मोर पाँव कबहूँ नाहीं धोउब्या।" ईसू जवाब
दिहेस, "जब तोहार पाँव मइँ न धोउब तउ तू मोरे लगे
जगह नाहीं पाइ सकत्या।"
9समौन पतरस ओसे कहेस, "पर्भू, तू मोर पाँव नाहीं मोर
हाथ अउर मुँड़वा क भी धोइ द्या।"
10ईसू ओसे कहेस, "जे नहाइ चुका अहइ, ओका पैर
धोअइ क अलावा अउर कउनो चीज धोअइ क जरूरत
नाहीं अहइ। उ तउ पूरी तरह साफ सुथरा होत ह। तू पचे
साफ अहा, मुला सब जने नाहीं।" 11उ ओका जानत रहा
जउन ओका धोखा स पकड़वावइ चाहत रहा। इ बरे उ कहे
रहा, "तोहरे मँ स सब पवित्तर नाहीं अहइँ।"
12जब उ सबक पाँव (गोड़) धोइ लिहेस तउ फिन स
आपन बाहरी कपड़ा पहिर लिहेस अउ, अपनी जगह प
आइके बइठ गवा। अउर ओनसे बोला, "का तोहका मालूम
अहइ कि मइँ तोहरे बरे का किहेउँ? 13तू पचे मोका 'गुरु'
अउर 'पर्भू' कहत ह, अउर ठीक कहत ह, काहेकि मइँ
उहइ अही। 14इ बरे जब मइँ पर्भू अउर गुरु होइके तोहार
पचे का पाँव धोवा तउ तोहका सबेन्ह क एक दूसरे क पाँव
धोवइ चाही। मइँ तोहरे सामने एक उदाहरण पेस करत
अहउँ। 15तू पचे दूसरे क साथ वइसे करा जइसे मइँ तोहरे
साथ करत अही। 16मइँ तोहका सच्ची बात बतावत अही
कि दास मालिक स बड़ा नाहीं होत अउर संदेस देइवाला
ओसे बड़ा नाहीं होत जउन ओका भेजेस। 17जब तू पचे इ
बात जानत अहा। अउ ओकर पालन करब्या तउ तू पचे
सुखी रहब्या।
18"मइँ तोहरे सबेन्ह क बारे मँ नाहीं कहत अहउँ। मइँ
ओनका जानित ही जेनका मइँ चुने अहउँ। अउर इहउ कि
यहूदा बिसवासघाती अहइ मुला मइँ इ बरे चुने अही जइसे
कि पवित्तर सास्तर क बचन सही उतरइ, 'उहइ जउन मोरे
साथ रोटी खाएस, मोरे विरोध मँ होइ गवा।' 19इ सब घट
जाइ क पहले मइँ इ बरे बतावत अहउँ जइसे कि जब इ
घटित होइ जाइ तउ तू पचे बिसवास करा कि उ मइँ
अहउँ। 20मइँ तोहका सही सही बतावत अहउँ कि उ जउन
मोरे भेजा गवा क लइ लेत ह, उ मोका स्वीकार कर लेत
ह, अउर जउन मोका स्वीकार कर लेत ह, ओका स्वीकार
कर लेत ह, जे मोका भेजेस।"

ईसू क कहब: मरवावइ क बरे ओका कउन पकड़वाई

(मत्ती 26:20-25; मरकुस 14:17-21; लूका 22:21-23)

21इ कहे क बाद ईसू बहुत घबड़ाइ गवा अउर इ साच्छी
दिहेस, "मइँ तोहसे सच्ची बात कहत अहउँ तोहरे मँ स एक
ठु मनई धोखा दइके मोका पकड़वाई।"
22तब ओकर चेलन एक दूसरे क देखइ लागेन। उ पचे
इ तय नहीं कइ पावत रहेन कि उ केहिके बारे मँ बतावत
अहइ। 23ओकर एक चेला ईसू क लगे बइठा रहा। ईसू
ओका बहुत चाहत रहा। 24तउ समौन परतस ओका इसारा
कइके पूछइ बरे कहेस कि ईसू केकरे बारे मँ बतावत
अहइ।
25ईसू क चहेता चेला ओकरी छाती प झुकके ओसे
पूछेस, "पर्भू उ कउन अहइ?"
26ईसू जवाब दिहेस, "रोटी क टुकड़ा कटोरा मँ बोर के
जेका मइँ देब, उहइ उ अहइ।" फिन ईसू रोटी क टुकड़ा
कटोरा मँ बोर के ओका उठाइके समौन क बेटवा यहूदा
इस्करियोती क दिहेस। 27जइसे यहूदा रोटी क टुकड़ा लिहेस
ओहमा सइतान समाइ गवा। फिन ईसू ओसे कहेस, "जउन
तू करइ जात अहा, ओका जल्दी स कइ ल्या!" 28मुला
हुवाँ बइठे लोगन मँ स केहू नाहीं समझ पाएस कि ईसू
ओसे अइसी बात काहे करत अहइ। 29कछू सोचेन कि
रुपियन क थैली यहूदा क लगे रहत ह, इ बरे ईसू ओसे
कहत अहइ कि 'त्यौहार' क बरे जरूरी सामान खरीद ल्या
या इ कहत अहइ कि गरीबन क कछू दइ द्या। 30इ बरे
यहूदा रोटी क टुकड़ा लइ लिहेस अउर तुरन्त चला गवा। इ
रात क समइ रहा।

अपनी मउत क बावत ईसू क बात

31ओकरे चला जाइ क बाद ईसू कहेस, "मनई क पूत
अब महिमावान भवा अहइ। अउर ओसे परमेस्सर क महिमा
भइ अहइ। 32जदि ओसे परमेस्सर क महिमा भइ अहइ तउ

परमेस्सर खुदइ स ओका महिमावान बनाई। अउर उ ओका
जल्दी महिमा देइ।
33"ऐ मोर चहेता बच्चो! मइँ तनिक देर अउर तोहरे साथ
अहउँ। तू पचे मोका ढूँढ़िब्या अउर जइसे कि मइँ यहूदियन
स कहे अहउँ, तू सबेन्ह हुवाँ नाहीं जाइ सकत्या, जहाँ मइँ
जात अहउँ, वइसे मइँ तोहसे अब कहत अहउँ।
34"मइँ तोहका सबेन्ह क एक नवा आदेस देत अहउँ कि
तू सबेन्ह एक दूसरे स पिरेम करा। जइसे मइँ तोहसे सबेन्ह
स पिरेम करेउँ ह, वइसे तू पचे एक दूसरे स पिरेम करा।
35जब तू पचे एक दूसरे स पिरेम करब्या, तबहीं सब जानि
पइहीं कि तू सबेन्ह मोर चेलन अह्या।"

ईसू क बताउब पतरस ओका पहिचानइ स मना कइ देई

(मत्ती 26:31-35; मरकुस 14:27-31; लूका 22:31-34)

36समौन पतरस ओसे पूछेस, "पर्भू, तू कहाँ जात अहा?"
ईसू जवाब दिहेस, "जहाँ मइँ जात हउँ, अब तू मोरे पाछे
नाहीं आइ सकत्या, मुला तू बाद मँ मोरे पाछे अउब्या।"
37पतरस ओसे पूछेस, "पर्भू मइँ तोहरे पाछे काहे बरे
नाहीं आइ सकत? मइँ तउ तोहरे बरे आपन जान तक दइ
देब!" **38**ईसू जवाब दिहेस, "तू मोरे लिए आपन जान देब्या?
मइँ तोहसे सच्ची बात कहत अहउँ कि जब तलक तू तीन
दाईं इन्कार न कइ देब्या तब तक एक मुर्गा बाँग न देई।"

ईसू क चेलन क समझाऊब

14 ईसू कहेस, "तू सबन्क परेसान न होइ चाही।
परमेस्सर मँ बिसवास करा अउर मोरे मँ बिसवास
बनाए रखा। **2**मोरे पिता क घरे मँ तमाम कमरा अहइँ। जदि
अइसा न होत तउ मइँ तोहसे कहि देइत) मइँ तोहरे सबेन्ह
क बरे जगह बनावइ जात अहउँ। **3**अउर जदि मइँ हुवाँ जाई
अउर तोहरे बरे जगह बनाईं तउ मइ फिन हिआँ आउब
अउर अपने साथ तोहका सबेन्ह क हुवाँ लइ चलब जइसे
कि तू पचे हुवाँ रहा, जहाँ मइँ रहब। **4**अउर जहाँ मइँ जात
अहउँ हुवाँ क रास्ता तोहका पता अहइ।"
5थोमा ओसे कहेस, "पर्भू, हम नाहीं जानत अही कि तू
कहाँ जात अहा। फिन हुवाँ क रास्ता कइसे जान सकित
ह?"
6ईसू ओसे कहेस, "मइँ रस्ता अहउँ, सच्चाई अहउँ अउर
जीवन अहउँ। मोरे बगैर कउनो परमपिता क लगे नाहीं आइ
सकत। **7**जदि तू मोका जान लेत्या तउ तू परमपिता क जान
लेत्या। अउर तू ओका जानत अहा अउर ओका देखि चुका
अहा।"
8फिलिप्पुस ओसे कहेस, "पर्भू हमका परमपिता क दर्सन
कराइ द्या। हमका संतोस होइ जाई।"
9ईसू ओसे केहस, "फिलिप्पुस मइँ एँतने जियादा समइ स
तोहरे साथ अहउँ अउर तू तबहूँ मोका नाहीं जानत अहा? जे
मोका देख लिहेस, उ परमपिता क देख लिहेस। फिन तू
कइसे कहत अहा, 'हमका परमपिता क दर्सन कराइ द्या।'
10का तोहका इ बिसवास नाहीं अहइ कि मइँ परमपिता मँ
अहउँ अउर परमपिता मोरे मँ अहइ? जउन बात मइँ तोहसे
कहत अहउँ, अपनी तरफ स नाहीं कहत अहउँ। परमपिता
जउन मोरे मँ रहत ह, आपन काम करत ह। **11**जदि मइँ
कहत अहउँ कि मइँ परमपिता मँ अहउँ अउर परमपिता मोरे
मँ अहइ, तउ मोर बिसवास करा अउर जदि नाहीं तउ उ
अद्भुत कारजन क कारण बिसवास करा जउन मइँ किहेउँ
ह। **12**मइँ तोहसे सच्ची बात कहत अही, जउन मोरे मँ
बिसवास करत ह, उहइ वइसे काम करत ह जइसे मइँ
करित ह। उ तउ इ सब कामन स बड़ा काम करी। काहेकि
मइँ परमपिता क पास जात अहउँ। **13**अउर मइँ उ सब
कारज करबइ जउन तू पचे मोरे नाउँ स मँगब्या, जइसे कि
पूत परमपिता क महिमा करइ। **14**जब तू हमसे मोरे नाउँ स
कछू मँगब्या, ओका मइँ करबइ।

पवित्तर आतिमा क कसम

15"जउ तू मोसे पिरेम करत होब्या, तउ हमरी आग्या क
पालन करब्या। **16**मइँ परमपिता क पराथना करबइ अउर उ
तोहका सबेन्ह का एक दूसर सहायक देइ जउन तोहरे साथे
हमेसा रही। **17**एकर मतलब अहइ 'सच्चाई क आतिमा*
जेहका दुनिया लेइ नाहीं पावत, काहेकि उ न तउ देखत ह
अउर न तउ जानत ह। तू सबेन्ह ओका जानत ह, काहेकि
उ आज तोहरे साथ रहत ह। अउर आगे तोहरेन मँ साथे
रही।
18"मइँ तोहका सबेन्ह क अनाथ न छोड़ब। मइँ तोहरे
पास आवत अहउँ। **19**कछू देर क बाद दुनिया मोका अउर
न देखी मुला तू पचे मोका देखब्या काहेकि मइँ जिअत अही
अउर तू सबेन्ह जिअत रहब्या। **20**उहइ दिन तू सबेन्ह जानि
पउब्या कि मइँ परमपिता मँ अहउँ, तू मोरे अन्दर अहा
अउर मइँ तोहरे अन्दर। **21**जउन मनई मोर आदेसन क जानत
हइ अउर ओनकइ पालन करत ह, मोसे पिरेम करत ह। जे
मोका पिरेम करत ह ओका परमपिता पिरेम करी। मइँ भी
उहइ क पिरेम करब अउर खुदइ क ओकरे ऊपर परगट
करबइ।"
22यहूदा (यहूदा इस्करियोती नाहीं) ओसे कहेस, "पर्भू,
काहे बरे तू खुदइ क हमरे ऊपर परगट करा चाहत ह
अउर दुनिया प नाहीं?"
23एँकरे जवाब मँ ईसू ओसे कहेस, "जउन मनई मोरे मँ
पिरेम करत ह, उ मोरी बातन क मानत ह, अउर ओसे
परमपिता पिरेम करी। मइँ अउर मोर परमपिता ओकरे पास
आउब अउर उहइ क साथ रहबइ। **24**जउन मनई मोसे पिरेम
नाहीं करत, उ मोर उपदेस क नाहीं मानत। मइँ जउन उपदेस
तोहका देत अही, उ मोर न अहइ उ पिता क उपदेस अहइ,
जउन मोका भेजेस।
25"इ सब बात मइँ तोहसे सबेन्ह स तबहीं बताए रहेउँ
जब मइँ तोहरे साथ रहेउँ। **26**मुला उ सहायक (अर्थात
पवित्तर आतिमा) जेहिका परमपिता मोरे नाउँ स भेजी,
तोहका पचन्क सब कछू बताई। अउर जउन कछू मइँ
तोहका पचन्क बताए अहउँ, ओका तोह पचे का याद
कराई।

सच्चाई क आतिमा पवित्तर आतिमा। एँका परमेस्सर क आतिमा अउ सुखदाता भी कहा गवा ह। इ मसीह स जुरा अहइ। इ संसार मँ मनइयन क बीच काम करत ह। यहून्ना 16:13

27"मइँ तोहरे बरे आपन सांति छोड़त अहउँ। मइँ तोहका
पचन्क खुदइ आपन सांति देत अही। मुला मइँ ऍका वइसे
नाहीं देत अहउँ, जइसे दुनिया देत ह। तोहरे मन क घबराइ
क जरूरत नाहीं अहइ अउर न तउ ओका डेराइ चाही। 28तू
मोका कहत सुने अहा, 'मइँ जात अहउँ अउर तोहरे लगे
फिन आउब।' जदि तू मोसे पिरेम करे होत्या तउ तू खुस
होई जात्या, काहेकि मइँ परमपिता क लगे जात अहउँ।
काहेकि परमपिता मोसे बड़ा अहइ।

29"अउर अबहीं इ सब घटित होइ क पहिले मइँ तोहका
बताइ दिहे अही, जइसे कि जउ इ घटित होइ जाइ तउ तू
पचे बिसवास कइ सका। 30अउर जियादा समइ अब मइँ
तोहरे साथ बात न करिब इ बरे कि जगत क सासक आवत
अहइ। मोरे ऊपर ओकर बस नाहीं चलत। 31मुला इ सब
बात इ बरे होत अहइँ जइसे कि दुनिया जान जाइ कि मइँ
परमपिता स पिरेम करित ह। अउर परमपिता जइसी आग्या
हमका दिहे अहइ, मइँ बइसे करत अही।

"अबहीं उठा हम सबेन्ह हिआँ स चल देइ।"

ईसू सच्ची दाखलता

15 ईसू कहेस, "मइँ दाखलता अहउँ अउर मोर
परमपिता देख रेख करइवाला माली अहइ। 2मोरी
उ साखा क पिता काट देत ह जउने मँ फर नाहीं लागत।
जउने साखा मँ फर लागत ह, ओका उ छाँट लेत ह, जइसे
कि ओहपे अउर जियादा फर लागइँ। 3तू पचे मोरे उपदेस
क सुने अहा, इ बरे पहिले स सुद्ध अहा। 4तू मोरे मँ रहा
अउर मइँ तोहरे मँ रहब। वइसेन जइसेन कि कउनो साखा
जब तलक दाखलता मँ बनी नाहीं रहत, तब तलक अपने
आप फरि नाहीं सकत, वइसेन, तू पचे तब तलक सफल
नाहीं होइ सकत्या जब तलक मोरे मँ न रहब्या।

5"उ दाखलता मइँ अहउँ अउर तू ओकर साखा अह्या।
जे मोरे मँ रहत ह, अउर जेहमा मइँ रहित ह, उ बहुत फरत
ह, काहेकि बिना मोरे तू कछू नाहीं कर सकत्या। 6जदि
कउनो मोरे मँ नाहीं रहत तउ उ टूटी साखा क तरह फेंक
दीन्ह जात ह अउर सूख जात ह। फिन उ सूखी लकड़ियन
क बटोररिके आगी मँ झोंक दीन्ह जात ह अउर ओनका
जलाय दीन्ह जात ह।

7"जदि तू मोरे मँ रहब्या, अउर मोर उपदेस तोहरे मँ रही,
तउ जउन कछू तू चाहत ह, ओका माँगा अउर उ तोहका
मिल जाई। 8इ मोरे परमपिता क महिमा होत ह कि तू बहुत
सफल होइ जा अउर मोर चेलन बन जा। 9जइसे परमपिता
मोसे पिरेम करे बाटइ, मइँ भी तोहसे बइसे पिरेम करे अही।
मोरे पिरेम मँ बना रहा। 10जदि तू मोरे आदेस क पालन
करब्या तउ तू मोरे पिरेम मँ बना रहब्या। वइसे ही जइसे कि
मइँ अपने पिता क आदेसन क पालन करत भए ओकरे
पिरेम मँ बना रहित ह।

11"मइँ इ सब बात तू पचे स इ बरे बतावत अहइ जइसे
कि मोर आनन्द तोहरे मँ बना रहइ अउर तोहार आनन्द पूरा
होइ जाइ। इ मोर आदेस अहइ। 12कि तू आपस मँ पिरेम
करा, जइसे मइँ तू पचे स पिरेम करे अही।

13"बड़वार स बड़का पिरेम जउन कउनो मनई कइ सकत
ह, उ अहइ अपने मीतन क बरे आपन प्रान निछावर कइ
देब। 14जउन आदेस तोहका मइँ देत अही, जदि तू ओन पइ
चलत रहब्या तउ तू मोर मीत अह्या। 15अबहिं स मइँ तू
पचे क 'दास' न कहब, काहेकि कउनो दास इ नाहीं जानत
कि ओकर मालिक क करत अहइ, मइँ तउ तोहका 'मीत'
कहत अही। मइँ तू पचे क उ सब बात बताइ दीन्ह जउन
मइँ अपने परमपिता स सुने रहेउँ। 16तू मोका नाहीं चुने
रह्या, मइँ खुदइ तोहका चुने रहेउँ अउर इ निस्चय करे
अही कि तू जा अउर सफल होइ जा। मइँ चाहित ह कि
तोहका सफलता मिलइ, अउर मोरे नाउँ स जउन कछू तू
चाहा परमपिता तोहका दई देइ। 17मइँ तोहका इ आदेस देत
अही कि तू एक दूसरे स पिरेम करा।

ईसू क चेतावनी

18"जदि दुनिया तोहसे दुस्मनी करत ह तउ इ बात तू याद
कइ ल्या कि तोहसे पहले हमसे दुस्मनी करत ह। 19जदि तू
दुनिया क होत्या तउ इ दुनिया तोहसे अपने क नाईं पिरेम
करत मुला तू पचे दुनिया क न अह्या अउर इ बरे दुनिया
तोहसे दुस्मनी करत ह। 20मोर बचन याद रखा कि एक दास
अपने मालिक स बड़ा नाहीं होत। इ बरे जदि उ सबेन्ह
मोका कस्ट पहुँचाए अहइँ अउर सतावत अहइँ तउ उ पचे
तोहका भी सतइहीं। अउर जदि उ मोर बातन मनिहइँ तउ
तोहार बातन भी मनिहइँ। 21मुला उ सबेन्ह मोरे कारण तोहरे
सबेन्ह क साथ उ सब कछू करिहइँ, काहेकि उ ओका
नाहीं जानत अहइ जे मोका भेजेस। 22जदी मइँ न आइत
अउर ओसे बात न करित, तउ उ सबेन्ह कउनो पाप क
दोखी न होतेन। मुला अब ओनके पास अपने पाप स बचइ
क कउनो बहाना नाहीं अहइ। 23जउन मनई हमसे दुस्मनी
ठान लेत ह, उ परमपिता स दुस्मनी करत ह। 24जदि मइँ
ओनके बीच मँ काम न करित, जउन कि कबहूँ कउनो
मनई नाहीं करे रहा, तउ उ सबेन्ह पाप क दोखी न रहतेन,
मुला अब जब उ पचे देख चुका अहइँ, तबहूँ मोसे अउर
परमपिता स दुस्मनी रखे अहइँ। 25मुला इ एह बरे भवा कि
ओनके व्यवस्था मँ जउन लिखा अहइ, उ खरा उतरइ। 'उ
पचे बेकार मँ हमसे बैर करेन्ह।'*

26"जब उ सहायक जउन सत्य क आतिमा बाटइ अउर
पिता क तरफ स आइ बा, तोहरे पास आई, जेका मइँ
परमपिता क तरफ स भेजब, उ हमरी तरफ स साच्छी देई।
27अउर तूहूँ साच्छी देब्या, काहेकि तू सुरुआतइ स मोरे साथ
अहा।

16 "इ सब बात मइँ तोहसे इ बरे बतावत अही कि
तोहार बिसवास डगमगाय न जाइ। 2उ पचे तोहका
सबन्क आराधनालय स निकार देइहीं सही-सही तउ उ समइ
आवइवाला अहइ जब तोहरे मँ स कउनो क मारके हर एक
इहइ सोची कि उ परमेस्सर क सेवा करत अहइ। 3उ सबेन्ह
अइसा इ बरे करिहइँ, काहेकि उ न तउ परमपिता क जानत
हीं अउर न तउ मोका। 4मुला मइँ तोहसे इ सब इ बरे
कहत अही जइसे कि जब ओनकइ समइ आइ जाइ तउ

'उ … करेन्ह' भजन. 35:19 या 69:4

तोहका इ याद रहइ कि मइँ ओनके बाबत तोहका बताए रहे
जब मइँ तोहरे साथ रहेउँ।

पवित्तर आतिमा क कारज

"सुरुआत मँ इ सब बात मइँ तोहका नाहीं बताए रहेउँ,
काहेकि मइँ तोहरे साथ रहेउँ। 5मुला अब मइँ ओकरे पास
जात अही, जे मोका भेजेस अउर तोहरे बीच स कउनो मोसे
इ न पूछी, 'तू कहाँ जात अहा?' 6काहेकि मइँ इ बात बताइ
दिहे अही, तोहार दिल दु:खी होइ गवा अहइ। 7मुला मइँ
तोहसे सच्ची सच्ची कहत अही कि एहमाँ तोहरा भलाई
अहइ कि मइँ जात अही। काहेकि जदि मइँ न जाउँ तउ
सहायक तोहरे पास न आई। जदि मइँ हियाँ स चला जाब
तउ मइँ ओका तोहरे पास भेजब। 8अउर जब उ आइ तउ
पाप, धार्मिकता अउर निआव क बावत दुनिया क सक दूर
करी। 9पाप क बावत इ बरे कि उ पचे मोर मँ बिसवास
नाहीं करतेन। 10धार्मिकता क बावत इ बरे कि अब मइँ
परमपिता क पास जात अही। अउर तू सबेन्ह अब अउर
जियादा समइ तक मोका न देखब्या। 11निआव क बावत, इ
बरे कि इ जगत क सासक क अपराधी ठहरावा ग अहइ।

12"मोका तोहसे अबहिं तमाम बात बतावइ क अहइ,
मुला तू सबेन्ह ओका सह न पउब्या। 13मुला जब सच्चाई
क आतिमा आई तउ उ तोहका पूरी सच्चाई क राह देखाई
काहेकि उ अपनी तरफ स कछू न कही। उ जउन कछू
सुनी उहइ बताई। अउर जउन कछू होइवाला अहइ, ओका
उजागर करी। 14उ मोर महिमा करी, काहेकि जउन मोर
अहइ, ओका लइके उ तोहका बताई। 15हर चीज जउन
परमपिता क अहइ, उ मोर अहइ। इहइ बरे मइँ बताए
अहउँ, जउन कछू मोर अहइ, ओका उ लइ लेई अउर
तोहका बताई।

दु:ख खुसी मँ बदल जाई

16"थोड़े समइ क बाद तू पचे मोका अउर नाहीं देख
पउब्या। अउर कछू समइ क बाद तू सबेन्ह मोका फिन
देखब्या।"

17तउ ओके चेलन आपस मँ कहेन, "इ कावा जउन उ
मोका बतावत अहइ, 'तनिक देर क बाद मोका न देख
पउब्या अउर तनिक देर क बाद तू पचे फिन मोका
देखब्या?' अउर 'मइँ परमपिता क पास जात अहउँ?' 18फिन
उ पचे कहइ लागेन, "इ 'तनिक देर क बाद' का मतलब
अहइ, जेकरे बावत उ बतावत अहइ? उ का कहत अहइ,
हम समझ नाहीं पावत अही।"

19ईसू इ समझ गवा कि उ पचे कछू पूछा चाहत अहइँ।
इ बरे ईसू ओसे कहेस, "का तू पचे जउन मइँ कहेउँ उहइ
पर सोच विचार करत अहा, 'थोड़ा समइ क पाछे तू मोका
अउर जियादा न देख पउब्या अउर फिन थोड़े समइ क बाद
तू मोका देखब्या?' 20मइँ तोहका सही बतावत अहउँ, तू
सबइ रोउब्या अउर सोक पउब्या मुला इ दुनिया खुस होई।
तोहका दु:ख होई मुला तोहार दु:ख आनन्द मँ बदल जाई।
21जब कउनो स्त्री बच्चा पइदा करत ह तउ ओका बड़ी
तकलीफ होत ह, काहेकि उ दरद क समइ रहत ह। मुला
जब उ बच्चा पइदा कइ चुकत ह तउ उ इनता आनन्द होत
ह कि एक ठु इन्सान इ दुनिया मँ पइदा भवा अहइ अउर
आपन सब दु:ख भूल जात ह। 22इ बरे तू पचे इ समइ
वइसे दु:खी अहा, मुला जब मइँ तोहसे फिन मिलबइ तउ
तोहार दिल मँ आनन्द होई। अउर तोहार आनन्द तोहसे
कउनो भी छीन न पाई। 23उ दिन तू पचे हमसे कउनो चीज
न पूछ्या। मइँ तोहसे सच्ची बात बतावत अही, मोरे नाम स
परमपिता स जउन कछू तू पचे मँगब्या, उ ओका तोहका
दइ देई। 24अब तक मोरे नाउँ स तू पचे कछू नाहीं मांगे
अहा। मांगा, तोहका जरूर मिली। ताकि तोहका भरपूर
आनन्द मिलइ।

दुनिया प जीत

25"इ सब बातिन क मइँ उदाहरण दइके बताए अहेउँ
अब उ समझ आवत अहइ जब मइँ तोहसे उदाहरण दइके
बात न कर पाउब मुला परमपिता क बावत खुलके तोहसे
बतियाब। 26उ दिन तू मोरे नाउँ स मँगब्या अउर मइँ तोहसे
इ नाहीं कहत अहउँ कि मइँ तोहरे तरफ स परमपिता स
पराथना करब। 27परमपिता खुदइ तोहसे पिरेम करत ह,
काहेकि तू मोसे पिरेम करत ह। अउर यह मान लिहा कि
मइँ परमेस्सर स आवा अहउँ। 28मइँ परमपिता स परगट
भएउँ अउर इ दुनिया मँ आएउँ। अउर अब मइँ इ दुनिया क
छोड़के परमपिता क पास जात अही।"

29ओकर चेलन कहेन, "देखा अब तू हम पचन क बिना
कउनो दिस्टान्त क खोलके बतावत अहा। जउन कठिन
सब्द अहइँ ओनका तू नाहीं बइपरत अहा। 30अब हम पचे
समझ ग अही की तू सब कछू जानत अहा। अब तू नाहीं
चाहत अहा कि केहू कउनो प्रस्न पूछइ एसे हमका सबन्ह
क बिसवास होइ ग अहइ कि तू परमेस्सर स परगट भवा
अहा।"

31ईसू ओनसे कहेस, "का तोहका अब इ बिसवास भवा
अहइ? 32सुना, अब समइ आवत अहइ, हिआँ तक कि
आइ ग अहइ, जबहिं तू पचे सब तितर बितर होइ जाब्या
अउर तोहरे मँ स सब कउनो अपने अपने घरे चला जाब्या
अउर मोका अकेले छोड़ देब्या, मुला मइँ अकेले नाहीं
अही, काहेके परमपिता मोरे साथ अहइ।

33"इ सब बातन मइँ तोहसे इ बरे बतावत कहेउँ जइसे
कि मइँ तोहका सान्ति दइ सकउँ। इ दुनिया तोहका कस्ट
देत ह, सतावत ह, मुला हिम्मत रखा, मइँ दुनिया जीत लिहे
अही!"

अपने चेलन क बरे ईसू क पराथना

17 इ सब बातन कहिके ईसू अकास कइँती निहारेस
अउर बोला, "हे परमपिता, उ घड़ी आइ पहुँची
अहइ, अपने पूत क महिमा द्या ताकि तोहार पूत तोहार
महिमा करि सकइ। 2तू ओका समूची मानव जाति प
अधिकार दिहे अहा कि उ सबका हर एक मनई क जेका तू
ओका दिहे अहा, अनन्त जीवन देइ। 3अनन्त जीवन इ अहइ
कि उ सबेन्ह तोहमँ एक ही सच्चा परमेस्सर अउर ईसू
मसीह, जेका तू भेजे अहा, जानि सकइँ। 4जउन काम तू

मोका सौपे रह्या, ओनका पूरा कइके दुनिया मँ मइँ तोहका महिमावान करे अही। **5**इ बरे अब तू अपने साथ मोहूँ क महिमावान करा। हे परमपिता, उहइ महिमा मोका द्या जउन दुनिया स पहले तोहरे साथ मोका मिली रही।

6"दुनिया स जउन मनइयन क तू मोका दिए अहा, मइँ ओनका तोहरे नाउँ क बोध कराएउँ। उ पचे लोग्ग तोहार रहेन, मुला तू ओनका मोका दिहा अउर उ सबेन्ह तोहरी आग्या क मानेन। **7**अब उ पचे जानत अहइँ कि उ चीज जउन तू मोका दिए अहा, उ तू ही स पइदा होत ह। **8**मइँ ओनका उहइ उपदेस दिए अही जउन तू मोका दिए रह्या अउर उ सबेन्ह ओका स्वीकार कइ लिहेन्ह। उ सबेन्ह अच्छी तरह बिसवास करत हीं कि तू मोका पठए अहा। **9**मइँ ओनके बरे पराथना करत अही। मइँ दुनिया क बरे पराथना नाहीं करत अही, मइँ तउ ओनही क बरे पराथना करत अही, जेका तू मोका दिए अहइ, काहेकि उ सबइ तोहार अहइँ। **10**सब चीज जउन कछू मोरी अहइँ, उ तोहार अहइँ, अउर जउन तोहार अहइँ, उ मोर अहइँ। अउर मइँ ओनही स महिमा पाए अही। **11**मइँ अउर जियादा समइ तलक दुनिया मँ न रहब मुला उ पचे दुनिया मँ अहइँ, अउर मइँ तोहरे पास आवत अही। हे पवित्तर परमपिता अपने उ नाउँ क ताकत स ओनकइ रच्छा करा, जउन तू मोका दिए अहा ताकि मइँ अउर तू एक अहीं, वइसे ओनहू पचे एक होइ जाइँ। **12**जब मइँ ओनके साथ रहेउँ मइँ तोहरे नाउँ क ताकत स ओनकइ रच्छा कीन्ह, जउन तू मोका दिए रह्या। मइँ रच्छा कीन्ह अउर ओनके मँ स कउनो क नास नाहीं भवा, ओका छोड़के जउने क बिनास क पूत रहा, ताकि पवित्तर सास्तर क बात सच होइ सकइ।

13"अब मइँ तोहरे लगे आवत अही, मुला इ सब बात मइँ दुनिया मँ रहि क कहत अही जइसे कि उ सबेन्ह अपने दिलन मँ मोर पूरा आनन्द पाइ सकइँ। **14**मइँ तोहार बात ओनसे बताइ दिए अही, मुला दुनिया ओनसे नफरत करेस काहेकि उ पचे संसारिक नाहीं अहइँ। वइसेन जइसेन कि मइँ दुनिया क न अही। **15**मइँ इ पराथना नाहीं करत अही कि तू ओनका दुनिया स निकार द्या, मुला इ बरे कि तू दुस्ट आतिमा स ओनकर रच्छा करा। **16**उ पचे दुनिया क न अहीं जइसे कि मइँ दुनिया क न अही। **17**सच्चाई क जरिए तू ओनका सबेन्हक अपने सेवा मँ लगाइ द्या। तोहार बचन सच्चा अहइ। **18**जइसेन तू मोका दुनिया मँ भेजे अहा, वइसेन मइँ ओनका इ दुनिया मँ भेजे अही। **19**मइँ ओनके बरे खुदइ क तोहरी सेवा मँ लगावत अही, जइसे कि ओनहू पचे सच्चाई क जरिए खुद क तोहरी सेवा मँ लगाइ सकइँ।

20"मुला मइँ केवल ओनही क बरे पराथना नाहीं करत अही, मुला ओनके बरे पराथना करत अही जउन एनके उपदेस स मोरे मँ बिसवास करिहीं। **21**उ सबेन्ह एक होइ जाइँ। वइसे जइसे हे परमपिता तू मोरे मँ अहा अउर मइँ तोहरे मँ अही। उ पचे मोरे सबके साथ एक होइ जाइँ। जइसे दुनिया बिसवास कर सकइ कि मोका तू भेजे अहा। **22**महिमा जउन तू मोका दिए अहा, मइँ ओनका दिए अही, जइसे ओनहू पचे एक होइ सकइँ, जइसे तू अउर मइँ एक अही। **23**मइँ ओनके मँ रही अउर तू मोरे मँ रहब्या, जइसे कि उ पचे पूरी तरह एक होइ जाइँ अउर इ दुनिया जान जाइ कि मोका तू भेजे अहा अउर तू ओनका वइसेन पिरेम करे अहा जेतना तू मोसे पिरेम करत ह।

24"हे परमपिता, जेनका तू मोका सौंपे अहा, मइँ चाहित ही कि मइँ रहउँ, उ पचे मोरे साथ ओनहू रहइँ जइसे कि ओनहू पचे मोर उ महिमा देख सकइँ जउन तू मोका दिहे अहा। इ दुनिया क रचना क पहलेन स तू मोका पिरेम करे अहा। **25**हे धार्मिक परमपिता, इ दुनिया तोहका नाहीं जानत मुला मइँ तोहका जानित ही अउर मोर चेलन जानत हीं कि मोका तू भेजे अहा। **26**मइँ ओनका तोहरे नाउँ क अकेले जानकारी नाहीं दिए अही, मइँ इ बात क जानकारी देत रहब जइसे कि जउन पिरेम तू मोसे करत ह ओनहू स करा। अउर मइँ खुदइ ओनही मँ स एक रहउँ।"

ईसू क बन्दी बनावा जाब

(मत्ती 26:47-56; मरकुस 14:43-50; लूका 22:47-53)

18 इ कहिकि ईसू अपने चेलन क साथ छोटी नदी किद्रोन क पास जहाँ एक बगीचा रहा, चला गवा।

2धोखे स ओका पकड़वावइवाला यहूदा उ जगह क जानत रहा, काहेकि ईसू जियादातर उहइ जगह प अपने चेलन स मिलत रहा। **3**इ बरे यहूदा रोमी सिपाहिअन क एक टुकड़ी अउर मुख्य याजकन अउर फरीसियन क पठएस। मनइयन अउर मन्दिर क पहरेदारन क साथ लइके मसाल, दिया अउर हथिआर लइके, हुवाँ पहुँच गवा।

4फिन ईसू जउन सब कछू जानत रहा कि ओकरे साथ का होइ जात अहइ, आगे आवा अउर ओनसे कहेस, "तू पचे केका खोजत अहा?"

5उ पचे ओका जवाब दिहेन, "ईसू नासरी क।"

ईसू ओनसे कहेस, "उ तउ मइँ अही।" (उ धोखे स पकड़वावइवाला यहूदी हुवइँ ओनके साथ खड़ा रहा।) **6**जब उ कहेस, "उ मइँ अहउँ।" तउ उ सबेन्ह पाछे हटेन अउर भुइँया पइ गिर पड़ेन।

7इ देखके ईसू फिन एक बार पूछेस, "तू सबेन्ह केका खोजन अहा?"

उ बोलन, "ईसू नासरी क।"

8ईसू जवाब दिहेस, "मइँ तोहसे कहउँ, उ मइँ अहउँ। जदि तू मोका ढूँढ़त अहा तउ एनका सबेन्ह क जाइ द्या।" **9**अइसा ईसू इ बरे कहेस, जइसे कि ओकर कही बात सच होइ सकइ, "मइँ ओहमाँ स कउनो क नाहीं खोवा, जेका तू मोका सौंपे रह्या।"

10फिन समौन पतरस जेकरे हाथे मँ तरवार रही, आपन तरवार निकारेस अउर मुख्ययाजक क दास क दाहिना कान काटिके ओका घायल कइ दिहेस (उ दास क नाउँ मलखुस रहा) **11**फिन ईसू पतरस स कहेस, "आपन तरवार मिआन मँ धइ ल्या। का मइँ यातना क कटोरा न पी लेई जउन परमपिता मोका दिहे अहइ?"

ईसू क हन्ना क सामने लिआवा जाब

(मत्ती 26:57-58; मरकुस 14:53-54; लूका 22:54)

12फिन रोमी टुकड़ी क सिपाहियन अउर ओनके सूबेदारन,
अउर यहूदियन क मन्दिर क पहरेदार सब मिलके ईसू क
बन्दी बनाइ लिहेन्ह। 13अउर ओका बांधके पहिले हन्ना क
पास लइ गएन, जउन कि उ बरिस क मुख्य याजक
काइफा क ससुर रहा। 14इ काइफा उहइ मनई अहइ जउन
यहूदी क सलाह दिहे रहा। कि लोगन क भलाई क बरे
एक क मर जाब ठीक अहइ।

पतरस क ईसू क पहिचाने स मना कइ देब

(मत्ती 26:69-70; मरकुस 14:66-68; लूका 22:55-57)

15समौन पतरस अउर एक ठु चेलन ईसू क पीछे चल
दिहेन्ह। मुख्य याजक इ चेलन क अच्छी तरह जानत रहा,
इ बरे उ ईसू क साथ मुख्य याजक क अंगने मँ घुस गवा।
16मुला पतरस बाहेर क दरवाजा क लगे रुक गवा। फिन
मुख्य याजक क जान पहचानवाला दूसर चेला बाहेर गवा
अउर द्वारपालिन स कहिके पतरस क अन्दर लइ आवा।
17उ द्वारपालिन दासी पतरस स कहेस, "होइ सकत ह कि
तूहूँ ईसू क चेला होआ?"

पतरस जवाब दिहेस, "नाहीं, नाहीं मइँ न अही!"

18काहेकि सर्दी बहुत जिआदा रही अउर मन्दिर क
पहरेदार आग जलाइ के हुआँ खड़ा तापत रहेन। पतरस उ
हुवाँ खड़ा तापत रहा।

महायाजक क ईसू स पूछताछ

(मत्ती 26:59-66; मरकुस 14:55-64; लूकाा 22:66-71)

19फिन महायाजक ईसू स ओकरे चेलन अउर ओकरे
उपदेस क बाबत पूछेस। 20ईसू ओका जवाब दिहेस, "मइँ
हमेसा सब मनइयन क खुलके बातचीत कीन्ह। मइँ हमेसा
आराधनालय मँ अउर मन्दिर मँ जहाँ सब यहूदियन इकट्ठा
होतहीं, उपदेस दीन्ह। मइँ कबहुँ लुकाइ क छिपाइ क कउनो
बात नाहीं कहेउँ। 21फिन तू मोसे काहे पूछत अहा? मइँ का
कहेउँ, ओनसे पूछा जे मोर बात सुने अहइँ। मइँ जउन कछू
कहेउँ, उ सब जानत हीं।"

22जब उ इ कहेस तउ मन्दिर क एक पहरेदार जउन हुवाँ
खड़ा रहा, ईसू क झापड़ मारेस अउर बोलेस, "महायाजक
क सामने जवाब देइ क इ तरीका नाहीं अहइ?"

23ईसू ओका जवाब दिहेस, "जब मइँ कउनो झूठ कहे
होउँ तउ तू ओका साबित करा अउर इ बतावा कि ओहमाँ
कउनो बुराई रही अउर जब मइँ ठीक कहे अहउँ तउ तू
काहे मारत अहा?"

24फिन हन्ना ओका बंधे भए महायाजक काइफा क लगे
भेज दिहेस।

परतस क ईसू क पहिचानइ स मना करब

(मत्ती 26:71-75; मरकुस 14:69-72; लूका 22:58-62)

25जब समौन पतरस खड़ा होइके आगी तापत रहा तउ
ओसे पूछा गवा, "का इ होइ सकत ह कि तू भी एकर
चेला अहा?"

उ तुरन्तइ मना कइ दिहेस अउर कहेस, "नाहीं मइँ नाहीं
अही।"

26महायाजक क एक ठु नउकर जउन ओकर रिस्तेदार
रहा जेकर पतरस कान काटे रहा, कहेस, "बतावा, का मइँ
तोहका ओकरे साथे बगिया मँ नाहीं देखे रहे?"

27इ सुनिके पतरस एक दाईं फिन इन्कार किहेस। अउर
उहइ समइ मुर्गा बाँग दिहेस।

ईसू क पिलातुस क समन्वा लइ जाब

(मत्ती 27:1-2,11-33; मरकुस 15:1-20; लूका23:1-25)

28फिन उ पचे ईसू क काइफा क घरे स रोम क
राज्यपाल क महल मँ लइ गएन। ओह समइ सबेर होइ ग
रहा। यहूदियन राज्यपाल क भवन मँ खुदइ नाहीं जावा चाहत
रहेन, कहूँ उ पचे असुद्ध* न होइ जाइँ। अउर फिन फसह
क भोज न खाइ पावइँ। 29तउ पिलातुस ओनके पास बाहेर
आवा अउर बोला, "एकरे ऊपर तू सबेन्ह कउन दोख
लगावत अहा?"

30जवाब मँ उ पचे ओसे कहेस, "जदि इ अपराधी न होत
तउ हम ऍका तोहका न सौंपित।"

31एकरे जवाब मँ पिलातुस ओनसे कहेस, "ऍका तू लइ
जा अउर अपने व्यवस्था क हिसाब स एकर निआव करा।"

यहूदियन ओसे कहेन, "हमका सबेन्ह क मउत क सजा
देइ क कउनो अधिकार नाहीं अहइ।" 32अइसा इ बरे भवा,
जइसे कि ईसू क उ बात सच्ची होइ जाइ जउन उ कहे
रहा, कइसी मउत मिली।

33तब पिलातुस राज्यपाल क महल मँ वापस चला गवा।
अउर ईसू क बोलाइ क ओसे पूछेस, "का तू यहूदियन क
राजा अह्या?"

34ईसू जवाब दिहेस, इ बात तू खुदइ कहत अहा या मोरे
बावत दूसर लोग तोहसे कहेन?"

35पिलातुस जवाब दिहेस, "का तू सोचत अहा कि मइँ
यहूदी अहउँ? तोहार लोग अउर मुख्य याजक तोहका मोरे
हवाले करे अहइँ। तू का किहे अहा?"

36ईसू जवाब दिहेस, "मोर राज्य इ दुनिया क नाहीं बाटइ।
जदि मोर राज्य इ दुनिया क होत तउ मोर प्रजा मोका
यहूदियन क सौंपा जाइ स बचावइ क बरे लड़ाई करत।
मुला मोर राज्य हिआँ क नाहीं बाटइ।"

37अइसा सुनिके पिलातुस ओसे कहेस, "तू तउ राजा
अह्या?"

ईसू जवाब दिहेस, "तू कहत अहा कि मइँ राजा अही।
मइँ इ बरे दुनिया मँ पइदा भवा हउँ अउर आएउँ अउर इहइ
प्रयोजन स आएउँ जइसे कि सच्चाई क साच्छी दइ सकउँ।
जउन मनई सच्चाई क तरफदारी करत ह उ मोरी बात सुनत
ह।"

38पिलातुस ओसे पूछेस, "सच्चाई का अहइ?" अइसा
कहिके फिन उ यहूदी क पास बाहेर गवा अउर ओनसे
बोला, "मइँ ओकरे मँ कउनो दोख नाहीं पाएउँ। 39अउ
तोहार सबन्क रिवाज अहइ कि फसह क त्यौहार प तोहरे

असुद्ध यहूदियन इ मानत रहेन कि कउनो गैर यहूदियन क घरे मँ
जाइ स ओनकर फर्छइ घटि जात ह। (यूहन्ना 11:55)

सबके बरे एक मनई क छोड़ देइ। तउ का तू पचे चाहत
अहा कि इ 'यहूदी क राजा' क तोहरे बरे छोड़ देई?"
40एक दाईं फिन उ पचे चिल्लाएन, "ऍका नाहीं, मुला
बरअब्बा (एक ठु बागी रहा।) क छोड़ द्या!"

ईसू क मउत क सजा

19 तब पिलातुस ईसू क पकड़वाइके कोड़ा लगवाएस।
2फिन सिपाहियन काँटेदार टहनी क मोड़के मुकुट
बनाएन अउर ओकरे मूँड़े प रख दिहेन। अउर ओका बैंजनी
रंग क कपड़ा पहिराएन। 3अउर ओकरे पास आइ आइ क
कहइ लागेन, "यहूदियन क राजा जिअत रह!" अउर ओका
झापड़ मारइ लागेन।

4पिलातुस एक बार फिन बाहेर आवा अउर ओनसे
कहेस, "देखा! मइँ तोहरे पास ओका फिन बाहर लियावत
अही जइसे कि तू जान सका कि मइँ ओहमाँ कउनो खोट
नाहीं पावा।" 5फिन ईसू बाहेर आवा। उ काँटेन क मुकुट
अउर बैंजनी रंग क चोगा पहिरे रहा। तब पिलातुस कहेस,
"इहइ अहइ उ मनई!"

6जब उ पचे ओका देखेन तउ मुख्य याजकन अउर
मन्दिर क पहरेदारन चिल्लाई क कहेन, "ऍका क्रूस पर
चढ़ाइ द्या! एका क्रूस प चढ़ाइ द्या!"

पिलातुस ओनसे कहेस, "तू ऍका लइ जा अउर क्रूस प
चढ़ाइ द्या, मइँ एहमाँ कउनो खोट नाहीं पाएउँ?"

7यहूदियन जवाब दिहेन, हमार व्यवस्था कहत ह कि एका
मरइ क पड़ी काहेकि अपने क परमेस्सर क पूत होइ क
दावा किहे अहइ।"

8अब जब पिलातुस ओका इ कहत सुनेस तउ बहुत डेराइ
गवा। 9अउर फिन राज्यपाल क महल क अन्दर जाइके ईसू
स कहेस, "तू कहाँ स आइ अहा?" मुला ईसू कउनो जवाब
नाहीं दिहेस। 10फिन पिलातुस ओसे कहेस, "का तू हमसे
बात नाहीं करइ चाहत अहा? का तोहका पता नाहीं अहइ
किइ मोरे अधिकार मँ अहइ कि तोहका मइँ छोड़ देउँ अउर
तोहका क्रूस प चढ़ावइ क अधिकार मोका मिला अहइ।"

11ईसू ओका जवाब दिहेस, तोहार मोरे ऊपर अधिकार
तब तक नाहीं होइ सकत जब तलक परमेस्सर तोहका उ
अधिकार नाहीं देत। इ बरे जउन मनइ तोहका मोरे हवाले
किहे अहइ, उ तोहसे भी बड़ा पापी अहइ।"

12इ सनिके पिलातुस ओका छोड़इ क कउनो उपाय
सोचइ लाग। मुला यहूदियन चिल्लाय लागेन, "जदि तू एका
छोड़ देब्या तउ तू कैसर क दोस्त न अह्या कउनो मनई
जउन खुदइ क राजा कहइ उ कैसर क विरोधी अहइ।"

13जब पिलातुस इ सब्दन क सुनेस तउ उ ईसू क बाहेर
उ जगह लइ गवा जउने क "पाथर क चउतरा।" कहा जात
रहा। (इब्रानी भाखा मँ ऍका "गब्बाता" कहा गवा ह।)
अउर हुवाँ निआव क आसन प बइठ गवा। 14इ दिन फसह
क त्यौहार क तैयारी क दिन* रहा। दुपहरिया होइवाली
रही। पिलातुस यहूदियन स कहेस, "इ रहा तोहार राजा।"

15उ सबेन्ह चिल्लाएन, "ऍका लइ जा! ऍका लइ जा!
ऍका क्रूस प चढ़ाय द्या!"

पिलातुस ओनसे कहेस, "का तू पचे चाहत अहा कि
तोहरे राजा क मइँ क्रूस प चढ़ाउँ?"

इ सुनिके मुख्ययाजकन जवाब दिहेन, "कैसर क छोड़के
हमार कउनो दूसर राजा नाहीं अहइ।"

16फिन पिलातुस ओका क्रूस प चढ़ाइ क बरे ओनका
सौंपि दिहेस।

ईसू क क्रूस प चढ़ावा जाब

(मत्ती 27:32-44; मरकुस 15:21-32; लूका 23:26-43)

इ तरीके स ईसू क हिरासत मँ लइ लीन्ह गवा।
17आपन क्रूस उठाइके उ अइसी जगह प गवा जेका
"खोपड़ी क जगह कहा जात ह। (इब्रानी भाखा मँ ऍका
"गुलगुता" कहा जात ह।) 18हुवाँ स उ सबेन्ह ओका दुइ
जने क साथे क्रूस प चढ़ाइ दिहेन। एक इ तरफ, दूसर दूसरी
तरफ अउर बीच मँ ईसू रहा। 19पिलातुस दोखपत्र क्रूस प
लगाइ दिहस। जेहमाँ लिखा रहा, "ईसू नासरी, यहूदी क
राजा।" 20तमाम यहूदियन उ दोखपत्र क पढ़ेन्ह, काहेकि
जहाँ ईसू क क्रूस प चढ़ावा ग रहा, उ जगह सहर क लगे
रही। अउर उ ऐलान इब्रानी, यूनानी अउर लातीनी भाखा मँ
लिखा रहा।

21तब मुख्य यहूदी याजकन पिलातुस स कहेन, "'यहूदी
क राजा' न लिखा, मुला इ लिखा, 'इ मनई कहे रहा यहूदी
क राजा मइँ अहउँ।'" 22पिलातुस जवाब दिहेस, "मइँ जउन
कछू लिख दीन्ह, तउ लिख दीन्ह।"

23जब सिपाही ईसू क क्रूस प चढ़ाइ चुकेन तउ उ सबेन्ह
ओकर कपरा लिहेन, अउर ओका चार टुकड़ा मँ बाँट
दिहेन। ओकर एक-एक टुकड़ा एक-एक सिपाही लइ
लिहेस। उ पचे कुरतउ उतरवाइ लिहेन। इ बरे कि उ कुरता
ऊपर स नीचे तक बुना रहा, ओकर सिलाई नाहीं भइ रही।
24इ बरे उ पचे आपस मँ कहेन, "ऍका न फाड़ा जाइ, ऍका
कउन पावइ, एकरे बरे परची डाली जाइ।" जइसे कि
पवित्तर सास्तर क इ बात पूरी होइ जाइ,

"उ पचे मोर कपरा आपस मँ बाट लिहेन अउर मोरे
अंगिया क बरे परची डाएन।" *भजन संहिता 22:18*

इ बरे सिपाहियन वइसेन करेन।

25ईसू क क्रूस क लगे ओकर महतारी, मउसी क्लोपास
क पत्नी मरियम, अउर मरियम मगदलीनी ठाढ़ रहिन। 26ईसू
जब अपनी महतारी अउर अपने पियारा चेला क पास खड़ा
लखेस तउ अपनी महतारी स कहेस, "पिआरी अम्माँ, इ रहा
तोहार बेटवा।" 27फिन उ अपने चेला स कहेस, "इ अहइ
तोहार महतारी।" अउर फिन उहइ समइ उ चेला ओका
अपने घरे लइ गवा।

ईसू क मउत

(मत्ती 27:45-56; मरकुस 15:33-41; लूका 23:44-49)

28ऍकरे बाद ईसू जान लिहेस कि सब कछू पूरा होइ
चुका अहइ। फिन इ बरे कि पवित्तर सास्तर क बात सही
उतरइ, उ कहेस, "मइँ पियासा अहउँ।" 29हुवाँ सिरका स

तैयारी क दिन सुक्करवार जब यहूदी फसह क तैयारी करत रहेन।

भरा एक ठु वासन धरा रहा। इ बरे उ सबेन्ह एक स्पंज क
सिरका मँ पूरी तरह डुबोइके हिसप (कंटिजर क पेड़) क
टहनी प रखेन अउर ऊपर उठाइ क ओकरे मुँह स
लगाएन। 30फिन जब ईसू सिरका लइ लिहेस तउ उ बोलेस,
“पूरा होइ गवा।” तउ उ आपन सिर झुकाइ दिहेस अउर
परान छोड़ दिहेस।

31अगला दिन फसह क तैयारी क दिन रहा। सबित क
दिन ओनकइ लास क्रूस प न लटका रहइ काहेकि सबित
क दिन बहुत महत्व क दिन होत ह एँकरे बरे यहूदियन
पिलातुस स कहेन कि उ आज्ञा देइ कि ओकर टांग तोड़
दीन्ह जाइँ अउर ओकर लास हुवाँ स हटाइ दीन्ह जाइ।
32तउ सिपाही आएन अउर सबसे पहले एक मनई क अउर
फिन दूसरे क जउने क साथे साथे क्रूस प चढ़ावा ग रहा,
टाँग तोड़ डाएन। 33मुला जब उ ईसू क लगे आएन, तउ
लखेन कि उ तउ पहिलेन मर चुका अहइ। इ बरे ओकर
टाँग नाहीं तोड़ेन। 34मुला ओहमाँ स एक सिपाही ईसू क
पंचरे मँ आपन भाला भोंक दिहेस, जउने मँ स तुरन्त लहू
अउर पानी निकरइ लाग। 35(जउन एका देखे रहा उ साच्छी
दिहेस अउर ओकर साच्छी सच्ची अहइ, उ जानत ह कि उ
सच्ची बात कहत अहइ ताकि तू सबेन्ह बिसवास करा।)
36इ एह बरे भवा कि पवित्तर सास्तर क बात पूरी होइ
सकइ, “ओकर कउनो हड्डी तोड़ी न जाई” 37अउर पवित्तर
सास्तर मँ लिखा अहइ कि, “जे ओकरे भाला भोंकेस उ
पचे ओकरी तरफ तकिहीं।”

ईसू क आखिरी किरिया करम

(मत्ती 27:57-61; मरकुस 15:42-47; लूका 23:50-56)

38एँकरे बाद अरमतियाह क यूसुफ (जउन ईसू क चेला
रहा, मुला यहूदियन क डर क मारे खुद क छिपाए रहत
रहा।) पिलातुस स पराथना करेस कि ओका ईसू क ल्हास
लइ जाइ क इजाजत दइ देइ। इ बरे उ ओकर ल्हास लइ
गवा। 39निकुदेमुस, जउन ईसू क लगे रात क पहले आइ
रहा, हुवाँ लगभग तीस किलो मिला जुला गंधरस अउर
एलवा (जइसे कि ल्हास मँ सड़न न आवइ पावइ) लइके
आवा। फिन उ पचे ईसू क ल्हासे क लइ गएन। 40अउर
यहूदियन क ल्हास गाड़इ क व्यवस्था क अनुसार ओका
महकइवाली तमाम चीज क साथ कफन मँ लपेट दिहेन।
41जहाँ प ईसू क क्रूस प चढ़ावा ग रहा, हुवाँ एक ठु
बगीचा रहा। अउर उ बगीचा मँ एक ठु नई कब्र रही जउने
मँ अब तक केउँ क नाहीं रखा ग रहा। 42उ दिन सबित क
तैयारी क दिन सुक्रवार रहा, अउर उ कब्र बहोतई लगे रही,
इ बरे उ सबेन्ह ईसू क उहइ मँ रख दिहेन।

ईसू क कब्र खाली

(मत्ती 28:1-10; मरकुस 16:1-8; लूका 24:1-12)

20 सप्ताह क पहिले दिन धुर सबेरे जब थोरि क
अँधेरा बचा रहा तउ मरियन मगदलीनी कब्र प
आइ। अउर उ देखेस कि कब्र क पाथर हटा अहइ। 2फिन
उ दौड़के समौन पतरस अउर ईसू क पियारा चेलन क लगे
पहुँची। अउर ओनसे बोली, “उ पचे पर्भू क कब्र स
निकालके लइ गएन। अउर हमका पचे इ पता नाहीं अहइ
कि उ सबेन्ह ओका कहाँ रखेस अहइँ।”

3फिन पतरस अउर उ दूसर चेला हुवाँ स कब्र क तरफ
चल पड़ेन्ह। 4उ दुइनउँ साथे साथे दउड़त रहेन मुला दूसर
चेला पतरस स आगे चला गवा अउर कब्र प पहिले पहुँच
गवा। 5उ नीचे निहुरिके देखेस कि हुवाँ कब्र क कपरा परा
अहइ, मुला उ भीतर नाहीं गवा। 6उहइ समइ समौन पतरस
जउन ओकरे पाछे आवत रहा, उहउ आइ पहुँचा अउर कब्र
क अन्दर चला गवा। उ देखेस कि हुवाँ कफन क कपरन
परा अहइँ। 7अउर उ कपरा जउन गाड़त क समइ ओकरे
मुड़े कइँती रहा, उ कफन क साथ नाहीं अहइ, उ अलग
स दूसरी जगह प रखा रहा। 8फिन दूसर चेला जउन कब्र प
पहिले पहुँचा रहा, उहउ भीतर घुसा। उ देखेस अउर
बिसवास करेस। 9(उ पचे अबहुँ तलक पवित्तर सास्तर क
इ बचन नाहीं समझे रहेन कि ओका मरा मनइयन स जी
उठब एकदम पक्का अहइ।)

मरियम मगदलीनी क ईसू दर्सन दिहेस

(मरकुस 16:9-11)

10फिन उ दुइनउँ चेलन अपने अपने घरे चला गएन।
11मरियम रोवत चिल्लात कब्र क बाहेर खड़ी रहि गइ।
रोवत चिल्लात उ कब्र मँ अन्दर झाँकि क बरे नीचे झुकी।
12जउने जगह ईसू क ल्हास रखी रही, हुवाँ उ सफेद
कपरा पहिरे दुइ ठु सरगदूत बइठा रहेन, ओहमाँ स एक ठु
सिरहाने प बइठा रहा अउर दूसर पइताने प बइठा रहा।

13उ पचे ओसे पूछेन, “ऐ स्त्री तू काहे क रोअति
अहा?”

उ जवाब दिहेस, “उ पचे मोरे पर्भू क उठाइ लइ गवा
अहइँ अउर मोका इ पता नाहीं बाटइ कि ओका कहाँ रखे
अहइँ?” 14एँतना कहिके उ मुड़ी अउर देखेस कि ईसू खड़ा
अहइ। मुला उ जानि नाहीं पाएस कि उ ईसू रहा।

15ईसू ओसे कहेस, “ऐ स्त्री तू काहे रोवति अहा? तू
केका खोजति अहा?”

उ इ जानेस कि पूछइवाला माली अहइ, उ ओसे कहेस,
“महासय, जदि तू कबहूँ ओका उठाए होया तउ मोका
बतावा कि तू ओका कहाँ रखे अहा? मइँ ओका लइ
जाबइ।”

16ईसू ओसे कहेस, “मरियम!”

उ पाछे मुड़ी अउर इब्रानी मँ कहेस, “रब्बूनी” (मतलब
“हे गुरु”)

17ईसू ओसे कहेस, “मोका जिन छुआ काहेकि मइँ
अबहिं तलक परमपिता क पास ऊपर नाहीं पहुँचा अही। तू
मोरे भाइयन क लगे जाइके बतावा, ‘मइँ अपने परमपिता
अउर तोहरे परमपिता तथा अपने परमेस्सर अउर तोहरे
परमेस्सर क पास ऊपर जात अही।’”

18मरियन मगदलीनी आइके चेलन क समन्वा बताएस,
“मइँ पर्भू क देखेउँ!” अउर उ मोका इ बात बताएस।

चेलन क दर्सन देब

(मत्ती 28:16-20; मरकुस 16:14-18; लूका 24:36-49)

19उहइ दिन संझा क, उ हफ्ता क पहिला दिन रहा
ओकर चेलन यहूदियन क डरके मारे आपन दरवाजा बन्द
करे रहेन। उहइ समइ प ईसू आइके ओनके बीच मँ खड़ा
होइ गवा अउर ओनसे कहेस, "तोहका सबका सान्ति
मिलइ।" **20**एँतना कहिके उ ओनका सबेन्ह क आपन हाथ
अउर आपन बगल देखॉएस। सब चेलन अपने पर्भू क
देखके बहुत आनन्द मँ आइ गएन।

21तउ ईसू ओनसे फिन कहेस, "तोहका सबका सान्ति
मिलइ। वइसेन जइसेन परमपिता मोका भेजेस, मइँ तू पचे क
भेजत अही।" **22**इ कहिके उ ओनके सबके ऊपर फूँक
मारेस अउर ओनसे कहेस, "पवित्तर आतिमा क अपनाइ
ल्या। **23**जउने मनई क पाप क तू छमा करत ह, ओनका
छमा मिलत ह अउर जउन मनई क पापन क तू छमा नाहीं
करत्या, उ सब बिना छमा पाए रहत हीं।"

ईसू थोमा क दर्सन दिहेस

24थोमा जउन बारह मँ एक रहा अउर दिदिमस कहवावा
जात रहा, जब ईसू आवा रहा तउ ओकरे साथे नाहीं रहा।
25दूसर चेलन ओसे कहत रहेन, "हम पर्भू क देखे अही।"
मुला उ ओनसे कहेस, "जब उ तलक मइँ ओकरे हाथन मँ
कील क निसानी न देख लेब अउर ओहमाँ आपन अंगुरी न
डाइ लेब, तथा ओकरे पंजरे मँ आपन हाथ न डाइ लेब तब
तक मइँ बिसवास न करब।"

26आठ दिन क बाद ओकर चेलन फिन एक दाईं घरे क
भीतर रहेन। अउर थोमा ओनके साथे रहा। दरवाजा प ताला
लगा रहा, मुला ईसू आवा अउर ओनके बीच मँ खड़ा
होइके बोला, "तोहका सबन क सान्ति मिलइ!" **27**फिन उ
थोमा स कहेस, "हाँ आपन अंगुरी अब अउर मोर हाथ
देख, आपन हाथ फैलाइके मोरे पंजरे मँ डावा। सन्देह करब
छोड़ द्या अउर बिसवास करा।"

28एकर जवाब देत थोमा बोला, "मोर पर्भू, हे मोर
परमेस्सर!"

29ईसू थोमा स कहेस, "तू मोका देखिके बिसवास करे
अहा। मुला उ पचे धन्य अहइँ जउन बिना देखे बिसवास
करत हीं।"

इ किताब यूहन्ना काहे लिखेस

30ईसू अउर तमाम चमत्कार चिन्ह अपने चेलन क
देखाएस जउन इ किताब मँ नाहीं लिखी अहइँ। **31**अउर
जउन बात हिआँ लिखी अहइँ। उ इ बरे लिखी अहइँ कि तू
बिसवास करा कि ईसू ही परमेस्सर क पूत मसीह अहइ।
अउर इही बरे कि बिसवास करत ओकरे नाउँ स तोहका
सबन क अनन्त जीवन मिलइ।

ईसू झील प परगट भवा

21 एकरे बाद झील तिबिरियास प ईसू अपने चेलन क
समन्वा फिन खुदइ क परगट किहेस। उ खुदइ क
इ तरीके परगट किहेस। **2**समौन पतरस, थोमा (जउन जुड़ौधा
कहवावा जात रहा) गलील क काना क नतनएल, जब्दी क
बेटवन अउर ईसू क दुइ ठू चेलन हुवाँ इकट्ठा रहेन।
3समौन पतरस ओनसे कहेस, "मइँ मछरी पकड़इ जात
अही।"

उ पचे ओसे बोलेन, "हमहूँ पचे तोहरे साथे चलत
अही।" उ सबेन्ह ओकरे साथे चल दिहेन अउर नाउ प
बइठ गएन। मुला उ रात उ पचे कछू नाहीं पकड़ पाएन।

4मुला तब तलक सबेर होइ गवा रहा। मुला चेलन क
पता नाहीं चल पावा कि हुवाँ ईसू अहइ। **5**फिन ईसू ओनसे
कहेस, "लड़को, तोहरे लगे कउनो मछरी अहइ?"

उ पचे जवाब दिहेन, "नाहीं।"

6फिन उ कहेस, "नइया क दहिनी तरफ जाल फेंका तउ
तोहका कछू मिली।" तउ उ पचे जाल फेंकिन मुला एँतना
जियादा मछरी रहिन कि फिन जाल क वापस नाहीं खींच
पाएन।

7फिन ईसू क पियारा चेला पतरस कहेस, "इ तउ पर्भू
अहइ।" जब समौन इ सुनेस कि पर्भू अहइ तउ उ आपन
बाहेर पहिनइवाला कपरा कस लिहेस (काहेकि उ नंगा
रहा।) अउर पानी मँ कूद पड़ा। **8**मुला दूसर चेलन मछरिअन
स भरा जाल खींचत भए नाउ स किनारे आएन (काहेकि उ
धरती स जियादा दूर नाहीं रहेन, ओनकाइ दूरी करीब सौ
मीटर क रही।) **9**जब उ पचे किनारे आएन तउ हुवाँ जरत
कोयलन क आग देखेन। ओकरे ऊपर मछरी अउर रोटी
पकावइ क बरे रखी रही। **10**ईसू ओसे कहेस, "तू पचे जउन
मछरी पकरे अहा, ओहमाँ स कछू लइ आवा।"

11फिन समौन पतरस नाउ प गवा अउर एक सौ तिरपन
बड़ी मछरिअन स भरा जाल किनारे प खींच लिहेस। जाल
मँ एँतनी अधिक मछरी रहिन मुला जाल फटा नाहीं। **12**ईसू
ओनसे कहेस, "हियाँ आवा अउर खाना खा!" ओकरे चेलन
मँ स कउनो क हिम्मत नाहीं परी कि ओसे पूछ सकइँ कि
"तू कउन मनई अह्या?" काहेकि उ जान ग रहेन कि उ
पर्भू अहीं। **13**ईसू आगे गवा। उ रोटी लिहेस अउर ओनका
दइ दिहेस अउर इहइ तरह स मछरियन क दइ दिहेस।

14अब इ तीसरी बार रहा जब कि मरे क बाद जी
उठिके उ आपने चेलन क समन्वा परगट भवा।

ईसू क पतरस स बाचीत

15जबहिं उ पचे भोजन कइ चुकेन तउ ईसू समौन पतरस
स कहेस, "यूहन्ना क पूत समौन, जेतँना पिरेम इ सबइ मोसे
करत हीं, तू मोसे जियादा पिरेम करत अहा?"

पतरस ईसू स कहेस, "हाँ पर्भू, तू जानत अहा कि मइँ
तोहसे पिरेम करत हऊँ।" ईसू पतरस स कहेस, "मोरे मेमनन
क रखवाली करा।"

16उ ओसे दुसरी बार बोला, "यूहन्ना क बेटवा समौन,
का तू मोसे पिरेम करत ह?"

पतरस ईसू स कहेस, "हाँ पर्भू, तू जानत अहा कि मइँ
तोहसे पिरेम करित ह।" ईसू पतरस स कहेस, "मोरी भेंड़न*
क देखभाल कर।"

भेंड़न ईसू इ सब्दन क आपन मनइयन बरे बइपरत रहा।

17ईसू फिन तीसरी दाईं पतरस स कहेस, "यूहन्ना क बेटवा समौन, का तू हमसे पिरेम करत ह?"

पतरस दुखी होइ गवा कि ईसू ओसे तीसरी दाईं पूछेस, "का तू मोसे पिरेम करत ह?" इ बरे पतरस ईसू स कहेस, "पर्भू तू सब कछू जानत ह, तू जानत अहा कि मइँ तोहसे पिरेम करित ह!"

ईसू ओसे कहेस, मोरी भेड़न क चरावा।
18मइँ तोहसे सत्य कहत अहउँ, जब तू जवान रह्या, तउ तू अपनी कमर प फेंटा कस क जहाँ चाहत रह्या, चला जात रह्या। मुला जब तू बुढ़ाइ जाब्या, तउ हाथ पसरब्या अउर कउनो दूसर तोहका बांधके जहाँ तू नाहीं जाइ चाहब्या, हुवाँ लइ जाई।"
19(उ इ दरसावइ क बरे अइसा कहेस कि उ कउनो तरह क मउत स परमेस्सर क महिमा करी।) ऍतना कहिके उ ओसे कहेस, "मोरे पाछे चला आवा!"

20पतरस पाछे मुड़ा अउर देखेस कि उ चेलन जेहसे ईसू पिरेम करत रहा, ओनके पाछे आवत अहइ। (इ उहइ रहा जउन भोजन करत ओकरी छाती प झुकके पूछे रहा, "पर्भू, उ कउन अहइ, जउन तोहका धोखे स पकड़वाई?")
21जब पतरस ओका देखेस तउ उ ईसू स बोला, "पर्भू, एकर का होई?"

22ईसू ओसे कहेस, "जदि मइँ इ चाही कि जब तलक मइँ आई, इ हिआँ रहइ, तउ तोहसे का मतलब? तू मोरे पाछे चला आवा!"

23इ तरह स इ बात भाइयन (मनवइयन) मँ हिआँ तलक फइल गइ कि उ चेला जेका ईसू पियार करत ह न मरी। ईसू इ नाहीं कहे रहा कि उ न मरी, बल्कि उ तउ ऍतना कहे रहा, "जदि मइँ चाही कि जब तलक मइँ आई, इ हिआँ रहइ तउ तोहसे का मतलब?"
24इहइ उ चेला अहइ जउन एकइ सबके साच्छी देत ह कि जउन इ सब बात लिखे अहइँ सब सही अहइँ।

25ईसू इहइ तरीके बहुत काम करेस। जदि एक एक कइके ओन सबका लिखा जात तउ मइँ सोचित ह कि जउन किताब लिखी जातिन, उ ऍतना जियादा होतिन कि पूरी धरती प न अमातिन।